भाद्रपद कृष्ण - 9 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 25 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 17-08-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 भाजपा के खिलाफ हिंदू-मुस्लिम गठबंधन बनाने पर विचार : प्रशांत किशोर

6 भारत मां के लिए जान भी कुर्बान, दिलवर खान ने दिया कश्मीर में बलिदान

7 फिल्म 'कुली' ने रिलीज के पहले दिन ही की 150 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई

फर्स्ट टेक

देशवासियों को मुर्मु, मोदी ने दी जन्माष्टमी की शुभकामनाएं

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। देशभर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी शनिवार को धूमधाम के साथ मनायी जा रही है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शुभकामनाएं देते हुए लिखा कि भगवान श्रीकृष्ण ने सम्पूर्ण मानवता को धर्म के अनुसार कर्तव्य मार्ग पर चलते हुए सभी प्राणियों के हित में लगे रहने का संदेश दिया है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि जन्माष्टमी के अवसर पर हम सब यह संकल्प लें कि श्रीकृष्ण के दिखाए मार्ग का अनुसरण करेंगे और समाज व राष्ट्र को मजबूत बनाएंगे। प्रधानमंत्री ने भी 'एक्स' पर पोस्ट किया, सभी देशवासियों को जन्माष्टमी की असीम शुभकामनाएं। आस्था, आनंद और उमंग का यह पावन पर्व आप सभी के जीवन में नई ऊर्जा और नए उत्साह का संचार करे। जय श्री कृष्ण! उन्होंने जन्माष्टमी को आस्था, आनंद और उत्साह का पर्व बताया।

चीन ने पाकिस्तान को तीसरी हंगोर श्रेणी की पनडुब्बी सौंपी

बीजिंग/भाषा। चीन ने पाकिस्तान को सौंपी जाने वाले आठ नई 'उन्नत' हंगोर-श्रेणी की पनडुब्बियों में से तीसरी पनडुब्बी उसे सौंप दी है। बीजिंग का यह कदम इस्लामाबाद की नौसैनिक ताकत को उन्नत करके भारत के निकटवर्ती क्षेत्र हिंद महासागर में पाकिस्तान की बढ़ती उपस्थिति को समर्थन देने के चीन के प्रयासों का हिस्सा है। चीन के सरकारी समाचार पत्र 'ग्लोबल टाइम्स' ने शनिवार को बताया कि हंगोर-श्रेणी की तीसरी पनडुब्बी का जलावतरण समारोह बृहस्पतिवार को मध्य चीन के हुबेई प्रांत के वुहान में आयोजित किया गया। चीन द्वारा पाकिस्तान के लिए बनाई जा रही आठ पनडुब्बियों में से दूसरी पनडुब्बी इस साल मार्च में सौंपी गई थी।

म्यांमार में सेना का हवाई हमला, कम से कम 21 लोगों की मौत

बैंकाक/एपी। म्यांमार की सेना ने देश के रत्न खनन केंद्र मोगोक पर हवाई हमला किया जिसमें एक गर्भवती महिला समेत कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी शनिवार को एक विपक्षी संगठन और स्थानीय निवासियों ने दी। ता'आंग नेशनल लिबरेशन आर्मी (टीएनएलए) के प्रवक्ता लवे याय ऊ ने बताया कि मोगोक के श्वेगु वार्ड में बृहस्पतिवार रात करीब साढ़े आठ बजे यह हमला हुआ। उन्होंने कहा, करीब 21 नागरिक मारे गए और सात लोग घायल हुए।

17-08-2025 सूर्यास्त 6:28 बजे | 18-08-2025 सूर्योदय 5:56 बजे

BSE	NSE
80,597.66 (+57.75)	24,631.30 (+11.95)

सोना	चांदी
10,637 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	127,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

श्रेष्ठ मानव

काटेंगे सारे ही जंगल,
कर देंगे धरती वीरानी।
मीठे जो हो जाएं सागर,
पी जाएं सारा ही पानी,
खाएं मारें सब जीवों को,
हैं श्रेष्ठ जीव ज्ञानी दानी।
जल थल नभ को करदें मैला,
हम कुशल सबल नर विज्ञानी।।

बेंगलूरु में प्लास्टिक सामान निर्माण इकाई में आग लगी

एक परिवार के चार लोगों समेत पांच की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के के.आर. मार्केट के पास नागरथपेट क्षेत्र में प्लास्टिक का सामान बनाने की एक इकाई में आग लगने से एक ही परिवार के चार लोगों और एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने मृतकों की पहचान मदन सिंह (38), संगीता (33) और उनके दो बच्चों रितेश (7) और विहान (5) तथा पड़ोसी सुरेश कुमार (26) के रूप में की है।

पुलिस के अनुसार, मदन सिंह राजस्थान के मूल निवासी थे और लगभग 10 सालों से इस इमारत को किराए पर ले रखा था। वह एक छोटी फैक्टरी चलाते थे जहां प्लास्टिक के सामान के साथ-साथ चटाई भी बनायी जाती थी। वह इमारत की सबसे ऊपरी मंजिल पर रहते थे। पुलिस ने कहा कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की आशंका है।

अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि उन्हें सुबह करीब तीन बजकर 14 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली। एक अधिकारी ने बताया कि आग बुझाने के लिए आठ वाहन लगाए गए हैं और 55 दमकलकर्मी तथा 21 अधिकारी मौके पर मौजूद हैं।

उन्होंने कहा, ''यह एक तरह का गोदाम है जहां काफी सामान रखा हुआ है। इस वजह से आग पर काबू पाना मुश्किल हो रहा है।''

अधिकारियों ने बताया कि यह इमारत शहर के घनी आबादी वाले कारोबारी इलाके में स्थित है।

भारत के निर्माण में सभी को प्रेरित करते रहेंगे वाजपेयी : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सातवीं पुण्यतिथि पर शनिवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि वह विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए सभी को प्रेरित करते रहेंगे।

मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, सभी देशवासियों की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी को उनकी पुण्यतिथि पर सादर नमन। राष्ट्र के चौतरफा विकास को लेकर उनका समर्पण और सेवा भाव विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान के लिए हर किसी को प्रेरित करने वाला है।

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, केंद्रीय मंत्री और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सहित कई अन्य गणमान्य लोग वाजपेयी को श्रद्धांजलि देने के लिए यहां उनके स्मारक 'सदैव अटल' पहुंचे। प्रधानमंत्री ने कहा कि वाजपेयी का जीवन राष्ट्र की अटूट सेवा के लिए समर्पित था। उन्होंने कहा कि उनके विचार और आदर्श भारत की प्रगति की यात्रा का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

वाजपेयी भारतीय जनता पार्टी के संस्थापकों में एक थे। वह तीन बार देश के प्रधानमंत्री बने। उनका पहला कार्यकाल 1996 में मात्र 13 दिनों का था।

भारत का विभाजन हिंदू महासभा और मुस्लिम लीग की 'जुगलबंदी' के कारण हुआ : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि भारत का विभाजन हिंदू महासभा और मुस्लिम लीग की 'जुगलबंदी' के कारण हुआ। साथ ही उसने सत्तारूढ़ भाजपा पर देश के इतिहास को विकृत करने का प्रयास करते हुए संस्थानों में हस्तक्षेप करने का भी आरोप लगाया।

कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को देश के इतिहास का ''सबसे बड़ा खलनायक'' करार दिया और कहा कि आने वाली पीढ़ियां उसे माफ नहीं करेंगी।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के मौके पर जारी एक विशेष पाठ में भारत के बंटवारे के लिए मोहम्मद अली जिन्ना, कांग्रेस और तत्कालीन वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन को जिम्मेदार ठहराया गया है।

कांग्रेस प्रवक्ता और पार्टी के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि पुस्तक में हिंदू महासभा द्वारा मुस्लिम लीग के साथ गठबंधन सरकार बनाने और विभाजन से पहले दोनों द्वारा यह प्रचार करने के बारे में कुछ भी उल्लेख नहीं किया गया है कि ''हिंदू और मुसलमान एक देश में एक साथ नहीं रह सकते।''

एनसीईआरटी की किताब के बारे में पूछे जाने पर खेड़ा ने संवाददाताओं से कहा, ''विभाजन हिंदू महासभा और मुस्लिम लीग की जुगलबंदी के कारण हुआ। अगर इतिहास में कोई सबसे बड़ा खलनायक है तो वह आरएसएस है। आने वाली पीढ़ियां उनके कृत्यों को माफ नहीं करेंगी।''

मुंबई हवाई अड्डे पर उतरते समय इंडिगो के विमान का पिछला हिस्सा जमीन से टकराया, जांच के आदेश

मुंबई/भाषा। यहां हवाई अड्डे पर शनिवार को उतरते समय बैंकॉक से मुंबई आए इंडिगो के यात्री विमान का पिछला हिस्सा जमीन से टकरा गया जिसके चलते विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि 'एयरबस ए 321 नियो' के दोनों पायलट को जांच पूरी होने तक विमान से हटा दिया गया है।

इंडिगो के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, ''मुंबई में 16 अगस्त को प्रतिकूल मौसम के कारण कम ऊंचाई पर उड़ान भरते समय इंडिगो के एयरबस ए 321 विमान का पिछला हिस्सा रनवे से टकरा गया।''

ईडी ने तमिलनाडु के मंत्री आई. पेरियासामी और उनके परिवार से जुड़े परिसरों पर छापे मारे

चेन्नई/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय ने धन शोधन के एक मामले की जांच के सिलसिले में शनिवार को तमिलनाडु के मंत्री एवं द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेता आई. पेरियासामी और उनके परिवार से जुड़े परिसरों पर छापे मारे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार उनके पुत्र आई.पी. सेंथिल कुमार के परिसरों की भी तलाशी ली जा रही है। आई.पी. सेंथिल कुमार विधायक हैं। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत की जा रही है। पेरियासामी ग्रामीण विकास एव पंचायत मंत्री हैं। पेरियासामी डिंडीगुल जिले के अटूर विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। ईडी की इस कार्रवाई पर पेरियासामी या द्रमुक की ओर से फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं की गई है। धन शोधन मामले की यह जांच मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा अप्रैल में दिए गए एक आदेश के बाद शुरू हुई। उच्च न्यायालय ने डिंडीगुल की एक विशेष अदालत को निर्देश दिया था कि वह पेरियासामी और उनके परिवार के खिलाफ 2.1 करोड़ की संपत्ति मामले में आरोप तय करे।

ईडी के छापे पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा

हमें डराने-धमकाने की कोशिश सफल नहीं होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सलेम/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शनिवार को अपने मंत्रिमंडल सहयोगी आई पेरियासामी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि ईडी की ऐसी कार्रवाई उन विपक्षी दलों के खिलाफ की जाती है, जो भाजपा के सामने घुटने नहीं टेकते हैं।

स्टालिन ने यहां भाकपा के 26वें प्रदेश सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह की धमकी की रणनीति उनकी पार्टी के खिलाफ काम नहीं करेगी, जिसने अतीत में कई कठिनाइयों और चुनौतियों से सफलतापूर्वक पार पाया है। अपने संबोधन में स्टालिन ने कहा कि भाजपा उन सभी चीजों को लागू कर रही है, जिनके बारे में 'हमने चेतावनी दी थी' कि अगर वह (भाजपा) केंद्र में सरकार बनाती है, तो ऐसा करेगी।

द्रमुख प्रमुख ने कहा कि इसमें 'हिंदी को अनिवार्य बनाना' और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को बढ़ावा देना शामिल है। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री ने अपने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में आरएसएस की प्रशंसा की।'' उन्होंने केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय की प्रचार सामग्री पर उठे विवाद का जिक्र करते हुए कहा कि सरकारी विज्ञापनों में महात्मा गांधी की तुलना में वीडी सावरकर की तस्वीर प्रमुखता से दिखाई गई है।

स्टालिन ने कहा, ''हमने कहा था कि जो विपक्षी दल उनकी बात नहीं मानेंगे, उनके खिलाफ ईडी का दुरुपयोग करके उन्हें डराया जाएगा। आज भी उन्होंने मंत्री पेरियासामी के घर पर छापेमारी की है, लेकिन द्रमुक ऐसी चालों से नहीं डरेगी।''

कोरिया के साथ संबंधों को नया आयाम देने का पक्षधर है भारत : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

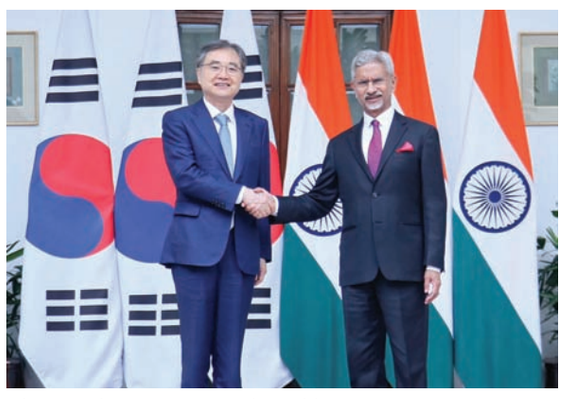

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा है कि दक्षिण कोरिया के साथ रणनीतिक साझेदारी की 10वीं वर्षगांठ पर भारत दोनों देशों के बीच संबंधों को प्रगाढ बनाने तथा इन्हें नई ऊंचाई पर ले जाने का इच्छुक है।

डॉ.जयशंकर ने भारत यात्रा पर आये दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री चो ह्यून के साथ बैठक से पहले शनिवार को यहां अपने प्रारंभिक वक्तव्य में कहा कि दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी के दसवें वर्ष में भारत परस्पर संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जाने का पक्षधर है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि दोनों के बीच यह बैठक सार्थक रहेगी।

विदेश मंत्री चो का स्वागत और उन्हें कोरिया का विदेश मंत्री चुने जाने पर बधाई देते हुए डॉ.जयशंकर ने कहा कि अपने पुराने मित्र का नए सहयोगी के रूप में स्वागत करते हुए उन्हें प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने कहा कि कोरिया के राष्ट्रीय दिवस और भारत के स्वतंत्रता दिवस के ठीक एक दिन बाद उनका भारत यात्रा पर आना दोनों देशों के बीच रिश्तों के महत्व को दर्शाता है।

डॉ. जयशंकर ने कोरिया के राष्ट्रीय मुक्ति दिवस की शुभकामनाएं देते हुए का कहा , यह यात्रा कई मायनों में बहुत ही महत्वपूर्ण समय पर हो रही है - यह हमारी विशेष रणनीतिक साझेदारी की 10वीं वर्षगांठ है, और मुझे कनाडा के कनानसकिस में आपके राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री के साथ रहने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। वैसे यह एक बहुत ही अच्छी मुलाकात थी और मैं आपको बताना चाहूँगा कि उनके बीच बहुत गहरा रिश्ता था।

उन्होंने कहा कि भारत चाहता है कि आज की बैठक में दोनों देश इस बात पर चर्चा करें कि हम अपने संबंधों को और ऊँचे स्तर पर कैसे ले जा सकते हैं। उन्होंने कहा, हमें बहुत सी बातों पर चर्चा करनी है - रक्षा, सुरक्षा, व्यापार, अर्थशास्त्र, संपर्क, लोगों के बीच संबंध पर। उन्होंने उम्मीद जतायी कि यह बैठक सार्थक रहेगी।

पुतिन के साथ बैठक बहुत उपयोगी लेकिन कोई समझौता नहीं : ट्रम्प

अलास्का शिखर सम्मेलन यूक्रेन संकट पर किसी समझौते के बिना समाप्त हो गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

एंकोरेज (अमेरिका)/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा कि अलास्का के एंकोरेज में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ उनकी बहुत ही उपयोगी बैठक हुई लेकिन शिखर सम्मेलन यूक्रेन संकट पर किसी समझौते के बिना समाप्त हो गया।

दोनों राष्ट्रपतियों ने अमेरिकी राज्य अलास्का के सबसे अधिक आबादी वाले शहर एंकोरेज में संयुक्त बेस एल्मेंडोर्फ-रिचर्डसन में अपनी वार्ता समाप्त करने के बाद एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन किया। ट्रम्प ने कहा कि वे कई बिंदुओं पर सहमत हुए हैं तथा उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने कुछ प्रगति की है हालांकि कोई समझौता नहीं हो पाया है।

पुतिन ने कहा कि वह इस बात से सहमत हैं कि यूक्रेन की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए तथा श्री ट्रम्प के साथ उनका समझौता यूक्रेन में शांति का मार्ग प्रशस्त करेगा।

मंच पर लगभग 10 मिनट तक एक-दूसरे के साथ खड़े होकर दोनों नेताओं ने संकेत दिया कि आमने-सामने की बातचीत में प्रगति हुई है लेकिन कोई ठोस समझौता नहीं हुआ है।

पुतिन ने कहा कि वार्ता आपसी सम्मान के रचनात्मक माहौल में हुई और राष्ट्राध्यक्षों के बीच व्यक्तिगत बैठक लंबे समय से अपेक्षित थी। पुतिन ने कहा कि जो कुछ भी हो रहा है वह हमारे लिए एक त्रासदी और एक भयानक घाव है और रूस इसे समाप्त करने में ईमानदारी से दिलचस्पी रखता है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि संघर्ष के प्राथमिक कारणों को को समाप्त करने की कोशिश की जानी चाहिए तथा यूक्रेन एवं यूरोपीय देशों को चेतावनी दी कि वे कार्यों में बाधा न डालें। पुतिन ने आशा व्यक्त किया कि यह बैठक न केवल यूक्रेनी मुद्दे के समाधान के लिए एक शुरुआत होगी बल्कि रूस और अमेरिका के बीच व्यावसायिक और व्यावहारिक संबंधों की पुनः प्राप्ति में भी सहायक होगी। उन्होंने कहा कि निवेश और व्यापार में रूस-अमेरिका सहयोग की अपार संभावनाएं हैं क्योंकि दोनों देश व्यापार, डिजिटल, उच्च तकनीक और अंतरिक्ष अन्वेषण में एक-दूसरे को बहुत कुछ दे सकते हैं।

राष्ट्रपति ट्रम्प ने वार्ता को अत्यंत उत्पादक बताया और कहा कि बड़ी प्रगति हुई है। ट्रम्प ने कहा कि कई बिंदुओं पर सहमति बनी है और वहां पहुंचने की बहुत अच्छी संभावना है। ट्रंप ने कहा कि वह जल्द ही यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की और यूरोपीय नेताओं से बात करेंगे। इससे पहले शुक्रवार को युक्रेनी राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि ट्रंप-पुतिन की मुलाकात त्रिपक्षीय वार्ता का मार्ग प्रशस्त करेगी।

पाकिस्तान में अचानक आई बाढ़ से 48 घंटे में 327 लोगों की मौत

पेशावर/इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अचानक आई बाढ़ से पिछले 48 घंटे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 327 हो गई, जिनमें कई बच्चे शामिल हैं। प्रांतीय अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के अनुसार, पाकिस्तान में पिछले 24 घंटे में 151 लोगों की मौत हो गई है, जिनमें खैबर पख्तूनख्वा (केपीके) प्रांत में 144 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में सात लोग शामिल हैं। एनडीएमए के आंकड़ों के अनुसार, देश में 26 जून को मानसून के आगमन के बाद से 645 लोग मारे गए हैं, जिनमें से 50 प्रतिशत से अधिक लोग मुख्य रूप से पहाड़ी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत से हैं। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) के अनुसार, खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के विभिन्न जिलों में बृहस्पतिवार को अचानक आई बाढ़ के बाद से यहां मूसलाधार बारिश 21 अगस्त तक रुक-रुक कर जारी रहने की आशंका है।

राज्यपालों और राष्ट्रपति पर निश्चित समयसीमा लागू करने से 'संवैधानिक अव्यवस्था' पैदा होगी : केंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र ने उच्चतम न्यायालय से कहा है कि राज्य विधानसभा में पारित विधेयकों पर कदम उठाने के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति पर निश्चित समयसीमा थोपने का मतलब होगा कि सरकार के एक अंग द्वारा संविधान में उसे प्रदान नहीं की गई शक्तियों का प्रयोग करना और इससे ''संवैधानिक अव्यवस्था'' पैदा होगी।

केंद्र ने राष्ट्रपति संदर्भ में दाखिल लिखित दलीलों में यह बात कही है, जिसमें संवैधानिक मुद्दे उठाए गए हैं कि क्या राज्य विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों से निपटने के संबंध में समयसीमा निर्धारित की जा सकती है। केंद्र ने कहा, किसी एक अंग की कथित विफलता, निष्क्रियता या त्रुटि किसी अन्य अंग को ऐसी शक्तियां ग्रहण करने के लिए अधिकृत नहीं करती है और न ही कर सकती है, जो संविधान ने उसे प्रदान नहीं की हैं। यदि किसी अंग को जनहित या संस्थागत असंतोष या संविधान के आदर्शों से प्राप्त औचित्य के आधार पर किसी अन्य अंग के कार्यों को अपने ऊपर लेने की अनुमति दी जाती है, तो इसका परिणाम संवैधानिक अव्यवस्था होगी, जिसकी परिकल्पना इसके निर्माताओं ने नहीं की थी।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने यह नोट दाखिल किया है। इसमें दलील दी गई है कि उच्चतम न्यायालय के निश्चित समयसीमा लागू करने से संविधान द्वारा स्थापित संवेदनशील संतुलन भंग हो जाएगा और कानून का शासन नकार दिया जाएगा। इसमें कहा गया है, यदि कोई चूक हो, तो उसका समाधान संवैधानिक रूप से स्वीकृत तंत्रों के माध्यम से किया जाना चाहिए, जैसे चुनावी जवाबदेही, विधायी निरीक्षण, कार्यपालिका की जिम्मेदारी, संदर्भ प्रक्रिया या लोकतांत्रिक अंगों के बीच परामर्श प्रक्रिया आदि। इस प्रकार, अनुच्छेद 142 न्यायालय को 'मान्य सहमति' की अवधारणा बनाने का अधिकार नहीं देता है, जिससे संवैधानिक और विधायी प्रक्रिया उलट जाती है।

राज्यपाल और राष्ट्रपति के पद राजनीतिक रूप से पूर्ण हैं और लोकतांत्रिक शासन के उच्च आदर्शों का प्रतिनिधित्व करते हैं। नोट में कहा गया है कि किसी भी कथित चूक का समाधान राजनीतिक और संवैधानिक तंत्र के माध्यम से किया जाना चाहिए, न कि न्यायिक हस्तक्षेप के माध्यम से। मेहता ने कहा है कि यदि कोई कथित मुद्दा है, तो उसका राजनीतिक उत्तर दिया जाना चाहिए, न कि न्यायिक। उच्चतम न्यायालय के फैसले को चुनौती देते हुए, मेहता ने दलील दी है कि अनुच्छेद 200 और 201, जो राज्य विधेयक प्राप्त होने के बाद राज्यपालों और राष्ट्रपति के विकल्पों से संबंधित हैं, में जानबूझकर कोई समय-सीमा नहीं दी गई है।

मेहता ने कहा, जब संविधान कुछ निर्णय लेने के लिए समय-सीमा निर्धारित करना चाहता है, तो वह ऐसी समय-सीमा का विशेष रूप से उल्लेख करता है। जहां संविधान ने शक्तियों के प्रयोग को जानबूझकर लचीला रखा है, वहां कोई निश्चित समय-सीमा निर्धारित नहीं की गई। न्यायिक दृष्टि से ऐसी सीमा निर्धारित करना संविधान में संशोधन करना होगा। नोट में कहा गया है कि नियंत्रण और संतुलन के बावजूद, कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जो राष्ट्र के तीनों अंगों में से किसी के लिए भी अनन्य हैं और अन्य किसी के द्वारा उन पर अतिक्रमण नहीं किया जा सकता है। इसमें यह भी कहा गया है कि राज्यपाल और राष्ट्रपति जैसे शीर्ष पद भी इसी क्षेत्र में आते हैं।

इसमें कहा गया, राज्यपाल की सहमति एक उच्च विशेषाधिकार, पूर्ण शक्ति है जो प्रकृति में विशिष्ट है। यद्यपि सहमति की शक्ति का प्रयोग कार्यपालिका के शीर्ष पर बैठे व्यक्ति द्वारा किया जाता है, तथापि, सहमति स्वयं विधायी प्रकृति की होती है। नोट में कहा गया है, सहमति की यह मिश्रित और अनूठी प्रकृति इसे एक संवैधानिक स्वरूप प्रदान करता है, जिसके तहत न्यायिक रूप से प्रबंधनीय कोई मानक मौजूद नहीं हैं। इस प्रकार, न्यायिक समीक्षा के विस्तारित स्वरूप के बावजूद, सहमति जैसे कुछ क्षेत्र अब भी हैं जो इसके दायरे में नहीं आते हैं।

इसमें कहा गया, न्यायिक समीक्षा की पारंपरिक धारणा को हटाकर सहमति पर लागू नहीं किया जा सकता क्योंकि सहमति प्रदान करने या न देने के दौरान जिन कारकों की भूमिका होती है, उनका कोई कानूनी या संवैधानिक समानांतर नहीं है। इस प्रकार, सहमति का यह अनूठा द्वंद्व एक विशिष्ट रूप से संतुलित न्यायिक दृष्टिकोण का हकदार है।

न्यायालय ने राष्ट्रपति के संदर्भ पर सुनवाई के लिए समय निर्धारित किया है और 19 अगस्त से सुनवाई शुरू करने का प्रस्ताव दिया है।

नांदेड़ में भारी बारिश के कारण तीन लोगों की मौत, बाढ़ के कारण कई गांवों का संपर्क टूटा

छत्रपति संभाजीनगर (महाराष्ट्र)/भाषा। मध्य महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में पिछले दो दिनों में बारिश से संबंधित घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई तथा कई इलाकों में नदियां और नाले उफान पर हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि शुक्रवार को नौ तहसीलों – कंधार, मुखेड़, लोहा, हदगांव, भोकर, देग्लूर, मुदखेड़, उमरी और नयागांव में अत्याधिक बारिश दर्ज की गई तथा शनिवार को भी भारी बारिश जारी रही।

कंधार तहसील के कोट बाजार गांव में शनिवार तड़के लगभग चार बजे एक घर की दीवार गिरने से शेख नासिर (72) और शेख हसीना (68) की मौत हो गई। सिंदगी (चिखली) से बोधाडी बुद्रुक मार्ग पर एक पुल पार करते समय एक वैन के बह जाने से उसमें सवार प्रेमसिंह पवार (42) डूब गए। बाद में उनका शव बरामद किया गया। एक अधिकारी ने बताया कि बाढ़ के पानी में चार मवेशी भी डूब गए। हिमायतनगर तहसील के सिरंजनी और सिलोदा गांव का नदियों में बाढ़ के कारण संपर्क टूट गया है। इसके अलावा अन्य तहसीलों के भी कुछ गांवों का बाढ़ के कारण संपर्क टूट गया है।

अमेरिका हो सकता है रूसी तेल के मामले में भारत पर द्वितीयक शुल्क नहीं लगाएः ट्रंप ने दिया संकेत

न्यूयॉर्क/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि हो सकता है कि अमेरिका रूस से कच्चा तेल खरीदना जारी रखने वाले देशों पर द्वितीयक शुल्क नहीं लगाए। ऐसी आशंकाएं थीं कि यदि अमेरिका ने द्वितीयक शुल्क लागू किया तो उससे भारत प्रभावित हो सकता था।

ट्रंप ने शुक्रवार को कहा, खैर, उन्होंने (रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने) एक तेल ग्राहक खो दिया, जो भारत है, जो लगभग 40 प्रतिशत तेल का आयात कर रहा था। चीन, जैसा कि आप जानते हैं, बहुत अधिक (आयात) कर रहा है और अगर मैंने 'द्वितीयक प्रतिबंध' या 'द्वितीयक शुल्क' लगाया तो यह उनके लिए बहुत विनाशकारी होगा। अगर मुझे यह करना पड़ा, तो मैं करूंगा। शायद मुझे यह करना न पड़े। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने यह बयान पुतिन के साथ एक महत्वपूर्ण शिखर बैठक के लिए अलास्का जाते समय 'एयर फ़ोर्स वन' (विशेष विमान) में 'फॉक्स न्यूज' को दिया। यह बैठक रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए बिना किसी भी सहमति के समाप्त हो गई। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट ने बुधवार को कहा था कि यदि शिखर बैठक में ट्रंप और पुतिन के बीच ''चीजें ठीक नहीं रहीं, तो रूसी तेल खरीदने की वजह से भारत पर द्वितीयक प्रतिबंध लग सकते हैं। बेसेंट ने बुधवार को 'ब्लूमबर्ग' के साथ एक साक्षात्कार में कहा, मुझे लगता है कि राष्ट्रपति पुतिन से हर कोई निराश है। हमें उम्मीद थी कि वह ज्यादा खुलकर बातचीत करेंगे। ऐसा लग रहा था कि वह संवाद के लिए तैयार हो सकते हैं।

बुजुर्ग महिला ने ऑनलाइन माध्यम से दूध ऑर्डर करने की कोशिश में गंवाए 18.5 लाख रुपए

बुजुर्ग महिला ने ऑनलाइन माध्यम से दूध ऑर्डर करने की कोशिश में गंवाए 18.5 लाख रुपए

मुंबई/भाषा। मुंबई की 71 वर्षीय महिला ने ऑनलाइन मंच के जरिए एक लीटर दूध का ऑर्डर करने के प्रयास में अपने बैंक खाते से 18.5 लाख रुपए कथित तौर पर गंवा दिए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

यहां एक अधिकारी ने बताया कि वडाला निवासी महिला ने इस महीने की शुरुआत में ऑनलाइन आपूर्ति की सेवा उपलब्ध कराने वाले ऐप के जरिये दूध का ऑर्डर देने का प्रयास किया और इस प्रयास के दौरान दो दिनों के भीतर उसके बैंक खातों से साइबर अपराधियों ने पूरी बचत राशि कथित तौर पर निकाल ली।

अधिकारी ने बताया कि चार अगस्त को महिला को एक व्यक्ति ने फोन किया, जिसने खुद का नाम दीपक बताया और कहा कि वह दूध कंपनी का कार्यकारी अधिकारी है। दीपक ने महिला को मोबाइल फोन नंबर पर एक लिंक भेजकर दूध ऑर्डर करने के लिए अपना विवरण देने की बात कही। उन्होंने बताया कि महिला को फोन में बात करते हुए लिंक पर क्लिक करने और आगे के निर्देशों का पालन करने की बात कही गई थी। करीब एक घंटे से अधिक समय तक फोन पर बात करने के दौरान महिला ऊब गई और उसने फोन काटने का फैसला किया।

अधिकारी ने बताया कि अगले दिन शिकायतकर्ता को उसी आरोपी का फोन आया, जिसने उससे और अधिक जानकारी जुटाई। कुछ दिनों बाद बैंक में जाने के दौरान शिकायतकर्ता को पता लगा कि उसके एक खाते से 1.7 लाख रुपए निकाल लिए गए हैं, जिसके बाद उसने पाया कि उसके अन्य दो बैंक खाते भी खाली कर दिए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता के तीन बैंक खातों को खाली कर दिया गया और उसमें से 18.5 लाख रुपए निकाल लिए गए थे।

आरोपी द्वारा भेजे गए लिंक पर क्लिक किए जाने से महिला का मोबाइल फोन उसने कथित तौर पर हैक कर लिया था। अधिकारी ने बताया कि महिला की शिकायत के आधार पर पुलिस ने इस सप्ताह के शुरू में मामला दर्ज कर लिया था और जांच की जा रही है।

महाराष्ट्र के बीएमसी में बदलाव आसन्न, महायुति सरकार ने पाप का घड़ा फोड़ दिया : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शिवसेना (उबाठा) पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए शनिवार को कहा कि बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) में बदलाव आसन्न है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत महायुति ने नगर निकाय को लूटने वालों के पाप का घड़ा फोड़ दिया है।

राज्य में नगर निकाय चुनाव नजदीक हैं और इस बीच फडणवीस ने मुंबई तथा ठाणे में दही हांडी उत्सवों में शामिल होकर विकास के मुद्दों पर जोर दिया।

फडणवीस ने शहर में दही हांडी समारोह में भाग लेने के बाद संवाददाताओं से कहा कि महायुति सरकार ने शहर में विकास की शुरुआत की है। उन्होंने कहा, महानगरपालिका में बदलाव का समय सन्निकट है। हमने इसे लूटने वालों के पाप की 'हांडी' तोड़ दी है और विकास की हांडी शुरू कर दी है। फडणवीस की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय पर आई है जब एक दिन पहले शिवसेना (उबाठा) सांसद संजय राउत ने दावा किया था कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना मुंबई तथा अन्य जगहों पर आगामी नगर निकाय चुनाव एक साथ लड़ेंगे।

अविभाजित शिवसेना ने 1997 से 2022 तक लगातार 25 वर्षों तक बीएमसी पर नियंत्रण रखा।

भगवान श्रीकृष्ण के जन्मदिन के उपलक्ष्य में पूरे महाराष्ट्र में दही हांडी उत्सव मनाया जाता है। इस दिन युवक-युवतियों की टोलियां मानव पिरामिड बनाकर ऊंचाई पर रस्सी से लटकी दही हांडी तोड़ने की प्रतियोगिता में भाग लेती हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, हम चाहते हैं कि लोग सुरक्षित तरीके से दही हांडी मनाएं। उन्होंने कहा कि मानव पिरामिड बनाने वाले गोविंदा का उत्साह बारिश के बीच भी कम नहीं हुआ है।

घाटकोपर में भाजपा विधायक राम कदम ने यहां एक दही हांडी लगाई, जो 'ऑपरेशन सिंदूर' में शामिल सुरक्षाकर्मियों को समर्पित की गई।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत की सेना ने पाकिस्तान पर हमला करने के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था। उन्होंने कहा, हमारे सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान के पाप का घड़ा फोड़ा है और हमने इस त्योहार को अपने जवानों की बहादुरी को समर्पित किया है।

महायुति सरकार ने 2022 में दही हांडी को साहसिक खेल का दर्जा दिया।

ठाणे में तेंबी नाका मित्र मंडल कार्यक्रम में गोविंदा को संबोधित करते हुए फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सराहना की और कहा कि वह बालासाहेब ठाकरे के सच्चे शिवसैनिक हैं, जो आनंद दिघे की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं।

इस वर्ष का उत्सव महत्वपूर्ण है, क्योंकि अब यहां निकाय चुनाव होने हैं, जिससे सभी राजनीतिक दल अपने कार्यकर्ताओं को संगठित करने के लिए इस उत्सव का सहारा ले रहे हैं।

करदाता को कारण बताओ नोटिस का जवाब देना होगा : उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि करदाता को समन का अनुपालन करना होगा तथा केन्द्रीय या राज्य कर प्राधिकरण द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस का जवाब देना होगा। आयकर अधिनियम 1961 के तहत ''करदाता'' से तात्पर्य किसी भी व्यक्ति या संस्था से है, जो अधिनियम द्वारा निर्दिष्ट कर भुगतान या किसी अन्य वित्तीय प्रतिबद्धताओं का कानूनी दायित्व रखता है।

इस प्रकार, केंद्रीय और राज्य जीएसटी प्राधिकारियों द्वारा निर्णय के दोहराव को रोकने के लिए दिशानिर्देश निर्धारित करते हुए, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि केवल समन जारी करने से जारीकर्ता प्राधिकारी या प्राप्तकर्ता यह सुनिश्चित नहीं कर पाता कि कार्यवाही शुरू हो गई है। पीठ ने कहा, जहां किसी करदाता को केन्द्रीय या राज्य कर प्राधिकरण द्वारा समन या कारण बताओ नोटिस जारी किया जाता है, वहां करदाता, प्रथमदृष्टया, उपस्थित होकर और अपेक्षित प्रतिक्रिया प्रस्तुत करके अनुपालन करने के लिए बाध्य है, चाहे जैसा भी मामला हो। पीठ ने कहा, जहां किसी करदाता को पता चलता है कि जिस मामले की जांच या अन्वेषण किया जा रहा है, वह पहले से ही किसी अन्य प्राधिकारी द्वारा जांच या अन्वेषण का विषय है, तो करदाता को लिखित रूप में उस प्राधिकारी को तुरंत सूचित करना होगा, जिसने बाद में जांच या अन्वेषण शुरू किया है।

निर्वाचन आयोग विपक्ष के आरोपों के बीच आज संवाददाता सम्मेलन करेगा

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा लगाए गए 'वोट चोरी' के आरोपों और बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्षी दलों के लगातार विरोध के बीच निर्वाचन आयोग (ईसी) रविवार को संवाददाता सम्मेलन करेगा। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के अलावा किसी अन्य मुद्दे पर निर्वाचन आयोग द्वारा औपचारिक तौर पर संवाददाता सम्मेलन बुलाना अपने आप में एक असामान्य बात है। संवाददाता सम्मेलन का विषय अभी तक स्पष्ट नहीं किया गया है, लेकिन अधिकारियों ने कहा है कि यह निर्वाचन आयोग पर लगे आरोपों से संबंधित है।

राहुल गांधी ने बार-बार निर्वाचन आयोग पर मतदाता से जुड़े डेटा में हेराफेरी करने का आरोप लगाया है। उनका आरोप है कि महाराष्ट्र, कर्नाटक और हरियाणा में 'वोट चोरी' हुई है। आयोग ने कांग्रेस नेता से उन लोगों के नाम प्रस्तुत करने को कहा है, जिनके बारे में उनका दावा है कि उन्हें मतदाता सूची में गलत तरीके से जोड़ा गया या हटाया गया है, साथ ही एक हस्ताक्षरित घोषणापत्र भी प्रस्तुत करने को कहा है। निर्वाचन आयोग ने तो यहां तक कह दिया है कि अगर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष अपने आरोपों के समर्थन में कोई हलफनामा देने में विफल रहते हैं, तो उन्हें माफी मांगनी होगी। बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराने के निर्वाचन आयोग के कदम को लेकर भी विपक्षी दल सवाल उठ रहे हैं। विपक्षी दलों का दावा है कि इस कदम से करोड़ों पात्र नागरिक कागजों के अभाव में मताधिकार से वंचित हो जाएंगे। उच्चतम न्यायालय ने भी निर्वाचन आयोग से बिहार में मतदाता सूची में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए मतदाता सूची से हटाए गए 65 लाख नामों का विवरण, उन्हें शामिल न करने के कारणों सहित, प्रकाशित करने को कहा है।

चीनी विदेश मंत्री वांग यी दो दिवसीय भारत यात्रा पर आएंगे : विदेश मंत्रालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। चीनी विदेश मंत्री वांग यी सोमवार से दो दिवसीय यात्रा पर भारत आएंगे और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल के साथ सीमा वार्ता करेंगे। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी।

वांग की यह यात्रा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए निर्धारित चीन यात्रा से कुछ दिन पहले हो रही है।

चीनी विदेश मंत्री मुख्य रूप से सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधियों (एसआर) की अगली दौर की वार्ता के लिए भारत आ रहे हैं। वांग और डोभाल सीमा वार्ता के लिए नामित विशेष प्रतिनिधि हैं। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के निमंत्रण पर, चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के पोलित ब्यूरो के सदस्य और चीनी विदेश मंत्री वांग यी 18 और 19 अगस्त को भारत की यात्रा करेंगे।

बयान में कहा गया, अपनी यात्रा के दौरान, वांग भारत के एनएसए डोभाल के साथ भारत-चीन सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधियों (एसआर) की 24वें दौर की वार्ता करेंगे। विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी अपने चीनी समकक्ष के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी की चीन यात्रा की योजना दोनों पड़ोसी देशों द्वारा अपने द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने के प्रयासों के बीच बनाई जा रही है, जो जून 2020 में गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच झड़पों के बाद तनावपूर्ण हो गए थे।

कांग्रेस के 'वोट चोरी' के दावों के बीच हरियाणा के मुख्यमंत्री ने कहा, ऐसे 'झूठ' नहीं चलेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस के 'वोट चोरी' के आरोप निराधार हैं और ऐसे 'झूठ' नहीं चलेंगे जिन्हें जनता ने नकार दिया है।

सैनी ने हाल ही में मानसून सत्र के दौरान संसद की कार्यवाही बाधित करने के लिए विपक्षी दल पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता निराधार आरोप लगा रहे हैं, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भ्रष्ट आचरण के सभी दरवाजे बंद करने से वे 'हताश' हैं। मुख्यमंत्री ने यहां पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाते हुए कहा, कांग्रेस का कोई अस्तित्व नहीं है। कांग्रेस नेता निराश हैं क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ने उनके भ्रष्ट रास्ते बंद कर दिए हैं। उन्होंने विपक्षी दलो पर संविधान के खिलाफ जाने का आरोप लगाया। सैनी ने आरोप लगाया, संविधान के खिलाफ जाना कांग्रेस के स्वभाव में है। वे बी आर अंबेडकर द्वारा लिखे गए संविधान की धज्जियां उड़ाते हैं और फिर कहते हैं कि यह खतरे में है। कांग्रेस के 'वोट चोरी' के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए सैनी ने पलटवार करते हुए कहा, देश ने उन्हें नकार दिया है। अब उनका झूठ नहीं चलेगा। कुछ दिन पहले, कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत कई विपक्षी नेताओं ने बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण के खिलाफ दिल्ली में विरोध प्रदर्शन किया था और आरोप लगाया था कि 'वोट चुराने' की कोशिश की जा रही है। राहुल गांधी रविवार को पूरे बिहार में 'मतदाता अधिकार यात्रा' शुरू करने वाले हैं। उनकी पार्टी ने ज़ोर देकर कहा है कि वह 'एक व्यक्ति, एक वोट' के सिद्धांत के लिए लड़ेगी और निर्वाचन आयोग को भाजपा के 'तथाकथित डबल इंजन' का 'कम्पार्टमेंट' बनने को बर्दाश्त नहीं करेगी।

राहुल निकालेंगे 'वोटर अधिकार यात्रा'

16 दिन में 20 जिलों में 1300 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सासाराम/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी वोट चोरी के खिलाफ रविवार से यहां वोटर अधिकार यात्रा शुरू करेंगे, जिसमें बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और 'इंडिया' गठबंधन के कई अन्य नेता शामिल होंगे।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष की इस यात्रा में बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसएआईआर) के मुद्दे को भी उठाया जाएगा।

राहुल गांधी ने कहा कि इस यात्रा में 16 दिन में 20 जिलों में कुल 1,300 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, हम वोटर अधिकार यात्रा लेकर जनता के बीच आ रहे हैं। यह सबसे बुनियादी लोकतांत्रिक अधिकार – 'एक व्यक्ति, एक वोट' की रक्षा की लड़ाई है। संविधान को बचाने के लिए बिहार में हमारे साथ जुड़िए। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि चुनाव आयोग को भाजपा के डबल इंजन का एक डिब्बा नहीं बनाने दिया जा सकता।

खेड़ा ने संवाददाताओं से कहा, आजाद भारत में आजादी से सांस लेना इसलिए संभव है, क्योंकि हमारे पास वोट करने की ताकत है। राहुल गांधी जी ने संघर्ष शुरू किया है, ताकि देश में हर एक नागरिक आजादी से सांस ले सके। उन्होंने कहा, हमारे 'इंडिया' गठबंधन के साथियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मिलकर अपील की, तो उच्चतम न्यायालय को भी इसमें दखल देना पड़ा। यह षड्यंत्र सिर्फ वोट छीनने का नहीं था। ये आपकी, हमारी पहचान छीनने का षड्यंत्र था।

खेड़ा ने दावा किया कि आज दलित, वंचित, पीड़ित, शोषित, अल्पसंख्यक से वोट देने का अधिकार छीना जा रहा है, कल उनकी भागीदारी छीनी जाएगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया, चुनाव आयोग इस 'डबल इंजन' का एक डब्बा बनकर रह जाए, ये हमें स्वीकार नहीं होगा। हम इसे लेकर संघर्ष कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। कांग्रेस नेता ने कहा, बिहार के लोगों से हम आग्रह करते हैं कि यह आपके अधिकार और हक की यात्रा है। आप भी इस यात्रा में शामिल हों, ताकि बिहार से लोकतंत्र को दिशा मिल सके। उन्होंने कहा, वोटर अधिकार यात्रा' एक ऐतिहासिक यात्रा होगी।

हम सबके अस्तित्व की लड़ाई के लिए ये यात्रा एक मील का पत्थर साबित होगी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) के कई अन्य घटक दलों के नेता मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) तथा कथित 'वोट चोरी' के खिलाफ यह यात्रा शुरू करने जा रहे हैं।

सासाराम से इस यात्रा की शुरुआत होगी और इसका समापन एक सितंबर को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में 'वोटर अधिकार रैली' के साथ होगा। इस जनसभा में 'इंडिया' गठबंधन के राष्ट्रीय स्तर के नेता शामिल होंगे।

यह यात्रा औरंगाबाद, गयाजी, नवादा, नालंदा, शेखपुरा, लखीसराय, मुंगेर, भागलपुर, कटिहार, पूर्णिया, अररिया, सुपौल, मधुबनी, दरभंगा, सीतामढ़ी, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, छपरा और आरा से होकर गुजरेगी।

एनसीईआरटी के विशेष पाठ में जिन्ना, कांग्रेस, माउंटबेटन को भारत विभाजन का 'गुनहगार' बताया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के मौके पर जारी एक विशेष पाठ में भारत के बंटवारे के लिए मोहम्मद अली जिन्ना, कांग्रेस और तत्कालीन वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन को जिम्मेदार ठहराया गया है।

पाठ में यह भी उल्लेख किया गया है कि विभाजन के बाद कश्मीर एक नई समस्या के रूप में उभरा। यह समस्या भारत में पहले कभी मौजूद नहीं थी और इसने देश की विदेश नीति के लिए चुनौती पैदा कर दी। इसमें यह भी कहा गया है कि कुछ देश पाकिस्तान को सहायता देते रहते हैं और कश्मीर मुद्दे के नाम पर भारत पर दबाव बनाते रहते हैं। इसमें कहा गया है, भारत का विभाजन गलत विचारों के कारण हुआ। भारतीय मुसलमानों की पार्टी, मुस्लिम लीग ने 1940 में लाहौर में एक सम्मेलन आयोजित किया। इसके नेता मोहम्मद अली जिन्ना ने कहा कि हिंदू और मुसलमान दो अलग-अलग धार्मिक दर्शन, सामाजिक रीति-रिवाज और साहित्य से संबंधित हैं। एनसीईआरटी के विशेष पाठ में विभाजन के अपराधी शीर्षक वाले खंड में कहा गया है, अंततः 15 अगस्त, 1947 को भारत का विभाजन हुआ।

द्रमुक ने पुडुचेरी के उपराज्यपाल के जलपान कार्यक्रम का बहिष्कार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। विपक्षी दल द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने शुक्रवार को 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान राज निवास में उपराज्यपाल के कैलाशनाथन द्वारा आयोजित 'जलपान' कार्यक्रम का बहिष्कार किया।

बहिष्कार का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। मुख्यमंत्री एन रंगासामी, गृह मंत्री ए नमस्सिवायम और विधानसभा अध्यक्ष आर सेल्वम इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता वी नारायणसामी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और लोकसभा सदस्य वी वैथिलिंगम, कांग्रेस विधायक एम वैथिनाथन, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रदेश अध्यक्ष वी पी रामलिंगम और राज्यसभा सदस्य एस सेल्वागणपति भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

एआईएनआरसी और भाजपा के विधायक, वरिष्ठ अधिकारी और स्वतंत्रता सेनानी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित और प्रसिद्ध 'थविल' वादक दक्षिणमूर्ति और उनकी मंडली ने कार्यक्रम में प्रस्तुति दी, जबकि एक छात्रा ने भरतनाट्यम नृत्य प्रस्तुत किया।

भारत से आयात पर अमेरिकी शुल्क :

स्टालिन ने विशेष वित्तीय राहत पैकेज की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को भारत से आयात पर अमेरिका द्वारा बढ़ाए गए शुल्क से उद्योग और रोजगार पर पड़ने वाले प्रभाव की आशंका पर चिंता व्यक्त की और केंद्र से विशेष वित्तीय राहत पैकेज देने की मांग की। स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे पत्र में कहा कि पैकेज में मूलधन की अदायगी पर रोक शामिल होनी चाहिए। अमेरिका के साथ पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौता करने के लिए केंद्र सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए देश की स्थिति को पूर्ण समर्थन भी दिया।

उन्होंने कहा, ''इस संदर्भ में, मैं आपके ध्यान में तमिलनाडु के लिए काफी चिंता का विषय लाना चाहता हूं, क्योंकि राज्य को वर्तमान 25 प्रतिशत शुल्क और इसके 50 प्रतिशत तक बढ़ने की आशंका के कारण गंभीर परिणामों का सामना करना पड़ रहा है।'' पिछले वित्त वर्ष में भारत के 433.6 अरब अमेरिकी डॉलर के कुल वस्तु निर्यात का 20 प्रतिशत अमेरिका को निर्यात किया गया था, जबकि तमिलनाडु के 52.1 अरब डॉलर अमेरिकी डॉलर के कुल वस्तु निर्यात का 31 प्रतिशत अमेरिका को निर्यात किया गया था।

उन्होंने कहा, ''अमेरिकी बाजार पर इस उच्च निर्भरता का स्पष्ट अर्थ है कि तमिलनाडु पर शुल्क का प्रभाव अन्य अधिकांश भारतीय राज्यों की तुलना में कहीं अधिक होगा। इसलिए इस शुल्क का तमिलनाडु के विनिर्माण क्षेत्र और रोजगार परिदृश्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा।'' सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र वस्त्र, परिधान, मशीनरी, ऑटो घटक, रत्न एवं आभूषण, चमड़ा, जूते-चप्पल, समुद्री उत्पाद और रसायन हैं। ये सभी श्रम-प्रधान क्षेत्र हैं, जिनमें निर्यात की गति धीमी होने पर बड़े पैमाने पर छंटनी हो सकती है।

उन्होंने बताया कि दक्षिणी राज्य ने 2024-25 में देश के कुल वस्त्र निर्यात का 28 प्रतिशत योगदान दिया, जो सभी राज्यों में सबसे अधिक है। इस क्षेत्र में करीब 75 लाख लोग कार्यरत हैं और 25 प्रतिशत शुल्क तथा प्रस्तावित 50 प्रतिशत शुल्क के कारण अनुमानित 30 लाख नौकरियों पर तत्काल खतरा मंडरा रहा है।

उन्होंने कहा, ''इस संकट को कम करने के लिए उन ढांचागत समस्याओं को हल करना ज़रूरी है जिन्होंने लंबे समय से हमारी निर्यात प्रतिस्पर्धा को रोका है, और इस संबंध में प्रभावित क्षेत्रों के उद्योग संघों के साथ मेरी विस्तृत चर्चाओं के आधार पर यह स्पष्ट है कि कपड़ा क्षेत्र को दो तरह से तुरंत मदद की आवश्यकता है- मानव-निर्मित फाइबर की उत्पादन श्रृंखला में 'इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर' को ठीक करके पूरी शृंखला पर एक समान पांच प्रतिशत जीएसटी लगाया जाए और सभी तरह की कपास पर आयात शुल्क हटा दिया जाए।

उन्होंने कहा, ''अन्य क्षेत्रों को भी शुल्क और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के कारण ऐसी ही चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। तात्कालिक राहत देने के लिए केंद्र को सभी प्रभावित निर्यातकों के लिए विशेष ब्याज अनुदान योजना शुरू करनी चाहिए ताकि तरलता बनी रहे और लागत कम हो। साथ ही मुक्त व्यापार समझौतों और द्विपक्षीय समझौतों को तेज करना चाहिए, ताकि ऊंचे शुल्क वाले बाजार जोखिम कम हों।'' उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को लिखे पत्र में कहा, ''समस्या की गंभीरता को देखते हुए, हमारे निर्यातकों को समर्थन देने के वास्ते कोविड अवधि के दौरान लागू किए गए पैकेज के समान मूलधन की अदायगी पर रोक सहित एक विशेष वित्तीय राहत पैकेज आवश्यक है।''

मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कहा, ''तमिलनाडु का विनिर्माण क्षेत्र एक अभूतपूर्व संकट का सामना कर रहा है, जिससे लाखों लोगों की आजीविका खतरे में है। इसलिए मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि संबंधित मंत्रालयों और उद्योग संगठनों से परामर्श करके इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करें।''

दक्षिण रेलवे ने 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे ने 15 अगस्त को पेरम्बूर के रेलवे स्टेडियम ' में 79वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाया। दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक आर.एन. सिंह ने आरपीएफ के महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त के. अरुल जोथी की उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और महिला प्लाटून तथा सेंट जॉन्स एम्बुलेंस ब्रिगेड सहित आरपीएफ टुकड़ियों द्वारा आयोजित आरपीएफ परेड की सलामी ली।

स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में अपर महाप्रबंधक कौशल किशोर, दक्षिण रेलवे के प्रमुख विभागाध्यक्ष, चेन्नई मंडल रेल प्रबंधक शैलेन्द्र सिंह, दक्षिण रेलवे महिला मुख्यालय संगठन की अध्यक्ष सोनिया सिंह, अधिकारी एवं कर्मचारी तथा उनके परिवार के सदस्य, तथा दक्षिण रेलवे के श्रमिक संघों और एसोसिएशनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए, महाप्रबंधक ने भारतीय रेलवे और उसके समर्पित कर्मचारियों पर गर्व व्यक्त किया और राष्ट्र की प्रगति एवं एकता में उनके अमूल्य योगदान पर ज़ोर दिया। महाप्रबंधक ने भारतीय रेलवे के समग्र विकास में दक्षिण रेलवे के निरंतर योगदान पर प्रकाश डाला, जिसमें रेल नेटवर्क का विस्तार और आधुनिकीकरण, साथ ही अपने सम्मानित यात्रियों को मूल्यवर्धित सेवाएँ प्रदान करना शामिल है। महाप्रबंधक ने कार्य के विभिन्न पहलुओं में ज़ोन के प्रदर्शन की विशेषताओं को भी रेखांकित किया।

ध्वजारोहण और मार्च पास्ट के बाद आरपीएफ द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, दक्षिणी रेलवे डॉग स्क्वायड द्वारा आकर्षक डॉग शो तथा रेलवे स्कूलों और विशेष बच्चों के लिए आश्रय स्कूल सहित विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तुतियां दी गईं। रेलवे निर्माण संगठन, एग्मोर के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी सुशील कुमार मौर्य, चेन्नई के मंडल रेल प्रबंधक शैलेन्द्र सिंह और पेरम्बूर कैरिज वर्क्स के मुख्य कारखाना प्रबंधक वी.एस. प्रभाकर ने चेन्नई में अपने-अपने रेलवे कार्यालयों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

रेलवे दावा न्यायाधिकरण के सदस्य (तकनीकी) उत्पल पर्णा हजारिका और रेलवे भर्ती बोर्ड की अध्यक्ष प्रतिभा देवेन्द्र यादव ने भी चेन्नई स्थित अपने-अपने रेलवे कार्यालयों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

तमिलनाडु सरकार का दावा 'उंगलुदन स्टालिन' से प्रदेशवासी खुश, 30 लाख लोगों की मिली अर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार का दावा है कि उसकी प्रमुख जनकल्याणकारी योजना 'उंगलुदन स्टालिन' (जिसका मतलब है 'स्टालिन आपके साथ') को जनता ने पसंद किया है। केवल 30 दिनों में इस योजना का लाभ पाने के लिए 30 लाख से ज्यादा अर्जियां मिली हैं।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार, 15 जुलाई से 14 अगस्त के बीच राज्य भर में 3,561 खास शिविरों के माध्यम से याचिकाएं मिलीं। शासन को लोगों के करीब लाने के लिए शुरू किया गया यह अभियान नागरिकों को शिकायतें दर्ज कराने और कल्याणकारी योजनाओं को सीधे उनके घर तक पहुंचाने का एक माध्यम है। इस पहल से लाखों लोगों, खासकर ग्रामीण इलाकों के निवासियों को कल्याणकारी योजनाओं, प्रमाण-पत्रों और सरकारी सेवाओं से जुड़ी समस्याओं को कई दफ्तरों के चक्कर लगाए बिना सीधे अधिकारियों तक पहुंचाने में मदद मिली है। याचिकाओं में महिला आवेदकों की संख्या बहुत बड़ी थी। रिपोर्टों के अनुसार, 13.7 लाख याचिकाएं महिलाओं की ओर से आईं, जो कलैगनार मगालीर उरीमाई थोगाई (केएमयूटी) योजना में फिर से नामांकन करवाना चाहती थीं। यह योजना परिवारों की पात्र महिला मुखियाओं को मासिक वित्तीय सहायता देती है। आवेदनों की इतनी बड़ी संख्या इस योजना की लोकप्रियता और राज्य की महिलाओं के बीच इसके बढ़ते प्रभाव को दर्शाती है। अधिकारियों ने कहा है कि सरकार इन याचिकाओं पर तेजी से कार्रवाई करना चाहती है।

ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन ने कहा है कि शिविरों में मिली सभी शिकायतों का 45 दिनों के भीतर समाधान किया जाएगा। तमिलनाडु के जिला प्रशासन ने भी इसी तरह का आश्वासन दिया है। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन की सरकार ने प्रशासन को लोगों के करीब लाने के अपने बड़े लक्ष्य को आगे बढ़ाते हुए 'उंगलुदन स्टालिन' योजना शुरू की है। यह आउटरीच योजना 'उंगल थोगुथियिल मुदलामैचार' (आपके क्षेत्र के मुख्यमंत्री) जैसे पुराने शिकायत निवारण सिस्टम पर आधारित है, लेकिन इसमें पहुंच और भागीदारी ज्यादा है। कम समय में बड़ी संख्या में याचिकाएं मिलने के कारण, अब राज्य सरकार के सामने जल्दी कार्रवाई करने की चुनौती है।

केरल में भारी बारिश के कारण जलभराव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के कुछ हिस्सों में भारी बारिश के कारण शनिवार को निचले इलाकों में जलभराव हो गया और राज्य के कुछ बांधों और जलाशयों में जलस्तर भी बढ़ गया। राज्य में दिन भर बारिश जारी रही, जिसके कारण कुछ निचले इलाकों में जलभराव की खबरें आईं। बारिश के कारण कुछ बांधों और जलाशयों का जलस्तर भी बढ़ गया। प्रदेश के पथानमथिट्टा जिले में, पानी छोड़ने के लिए दोपहर में कक्की जलाशय के दो द्वार खोले गए। पलक्कड़ जिले में, मीनकारा, चुलियार और वालयार बांधों का जलस्तर तीसरे चरण की चेतावनी' की स्थिति में पहुंच गया।

इस बीच, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने राज्य के एर्णाकुलम, इडुक्की, त्रिशूर, कन्नूर और कासरगोड जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। साथ ही, शेष नौ जिलों में आज के लिए 'येलो अलर्ट' भी जारी किया है। ऑरेंज अलर्ट का मतलब 11 सेमी से 20 सेमी तक की अत्यधिक भारी बारिश और येलो अलर्ट का मतलब 6 सेमी से 11 सेमी तक की भारी बारिश है। आईएमडी ने यह भी कहा कि दिन में 40 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवायें चलने की आशंका है। इसके अतिरिक्त, आईएमडी ने यह भी अनुमान लगाया है कि 16 से 20 अगस्त के बीच केरल के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी वर्षा होगी और इस दौरान 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से तेज़ हवायें चलने की भी आशंका है। खराब मौसम और 60 किमी प्रति घंटे तक की तेज हवाओं के कारण, 16 से 18 अगस्त के बीच केरल-कर्नाटक-लक्षद्वीप तटों पर मछली पकड़ने की गतिविधियों के प्रति भी आगाह किया गया है।

विंटेज लोको ईआईआर-21 का हेरिटेज स्पेशल रन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। देश के 79 वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के उपलक्ष्य में, दक्षिण रेलवे ने आज विश्व के सबसे पुराने कार्यशील स्टीम लोकोमोटिव, ईआईआर-21 का हेरिटेज विशेष परिचालन किया।

द. रेलवे के अपर महाप्रबंधक कौशल किशोर, चेन्नई के मंडल रेल प्रबंधक शैलेंद्र सिंह और अन्य रेलवे अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने आज डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल और विल्लीवाक्कम के बीच आयोजित हेरिटेज रन में भाग लिया। लोको ने एक कोच को खींचा। सौ साल पुराने विंटेज लोकोमोटिव ईआईआर-21, जो ईआईआर-22 (फेयरी क्वीन) की प्रतिकृति है, को पेरम्बूर लोको वर्कशॉप द्वारा ओवरहाल, नवीनीकृत और उत्कृष्ट कार्यशील स्थिति में बनाए रखा गया है। यह लोकोमोटिव मूल रूप से 1855 में इंग्लैंड से भारत भेजा गया था। 1909 में सेवा से हटने के बाद, इस लोकोमोटिव को जमालपुर वर्कशॉप और हावड़ा स्टेशन पर 101 वर्षों से भी अधिक समय तक प्रदर्शनी के रूप में रखा गया था। लोको वर्क्स, पेरम्बूर ने वर्ष 2010 में वर्तमान में 170 वर्ष पुराने स्टीम लोकोमोटिव 'एक्सप्रेस ईयर 21' को पुनर्जीवित करने का बीड़ा उठाया। अब तक, दुनिया के इस सबसे पुराने कार्यशील स्टीम लोकोमोटिव पर कई हेरिटेज रन बनाए जा चुके हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने सिनेमा जगत में 50 साल पूरे करने पर रजनीकांत को दी बधाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को तमिल सिनेमा के दिग्गज अभिनेता रजनीकांत को फिल्म जगत में 50 वर्ष पूरे करने पर बधाई दी और उनकी उल्लेखनीय यात्रा तथा विभिन्न पीढ़ियों के दर्शकों पर उनके काम के स्थायी प्रभाव की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्टर रजनीकांत के साथ तस्वीर साझा करते हुए सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा, सिनेमा जगत में 50 शानदार वर्ष पूरे करने पर थिरु रजनीकांत को बधाई। उनकी यात्रा प्रतिष्ठित रही है, उनकी विविध भूमिकाओं ने विभिन्न पीढ़ियों के लोगों के मन पर अमिट छाप छोड़ी है।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा, मैं आने वाले समय में उनकी निरंतर सफलता और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं। भारतीय सिनेमा की सबसे प्रसिद्ध हस्तियों में से एक रजनीकांत ने 1975 में के. बालचंदर द्वारा निर्देशित तमिल फिल्म 'अपूर्व रागंगल' से अपने सिनेमाई सफर की शुरुआत की थी। पिछले दशकों में उन्होंने तमिल, हिंदी, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में 160 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया है और अपनी विशिष्ट शैली, प्रभावशाली स्क्रीन उपस्थिति एवं सभी उम्र के दर्शकों से जुड़ने की क्षमता के लिए ख्याति अर्जित की है। अपने प्रशंसकों द्वारा प्यार से 'थलाइवर' (नेता) कहे जाने वाले 73 वर्षीय सुपरस्टार ने बॉक्स ऑफिस पर कई हिट फिल्में दी हैं, जिनमें 'बाशा', 'एंथिरन', 'कबाली', 'जेलर' और 'रोबोट' जैसी फिल्में शामिल हैं। उनकी लोकप्रियता भारत से कहीं आगे तक फैली हुई है, और उनके प्रशंसक जापान, मलेशिया और सिंगापुर जैसे देशों में भी हैं।

ईडी ने तमिलनाडु के मंत्री आई. पेरियासामी और उनके परिवार से जुड़े परिसरों पर छापे मारे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रवर्तन निदेशालय ने धन शोधन के एक मामले की जांच के सिलसिले में शनिवार को तमिलनाडु के मंत्री एवं द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेता आई. पेरियासामी और उनके विधायक पुत्र आई. पी. सेंथिल कुमार से जुड़े परिसरों की तलाशी ली। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि यह छापेमारी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत चेन्नई और डिंडीगुल में की जा रही है। पेरियासामी (72) राज्य के ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री हैं। पेरियासामी डिंडीगुल जिले के अटूर विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं।

ईडी की कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देते हुए द्रमुक की वरिष्ठ नेता कनिमोई ने कहा कि आयकर विभाग और ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसियों को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विपक्ष के खिलाफ ''हथियार'' बना दिया है।

तूतीकोरिन में उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''मंत्री (पेरियासामी) ने कई चुनौतियों का सामना किया है और द्रमुक के साथ मजबूती से खड़े हैं। किसी भी तरह की धमकी हमारे कार्यकर्ताओं और नेताओं को डरा नहीं पाएगी।'' धन शोधन मामले की यह जांच मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा अप्रैल में दिए गए एक आदेश के बाद शुरू हुई। उच्च न्यायालय ने डिंडीगुल की एक विशेष अदालत को निर्देश दिया था कि वह पेरियासामी और उनके परिवार के खिलाफ 2.1 करोड़ की आय से अधिक संपत्ति मामले में आरोप तय करे। यह आदेश सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय द्वारा दायर कुछ आपराधिक पुनरीक्षण याचिकाओं के जवाब में आया, जिसमें पेरियासामी और उनके परिवार के सदस्यों को मामले से बरी करने के विशेष अदालत के आदेश को चुनौती दी गई थी।

उच्च न्यायालय ने विशेष अदालत को दैनिक आधार पर सुनवाई करने और छह महीने के भीतर इसे पूरा करने का भी निर्देश दिया।

अभियोजन पक्ष का कहना था कि 2006 से 2010 के बीच मंत्री रहते हुए पेरियासामी ने लगभग 2.1 करोड़ की संपत्ति अपने, अपनी पत्नी पी. सुशीला और बेटों पी. सेंथिलकुमार व पी. प्रभु के नाम पर जुटाई, जो उनकी आय के ज्ञात स्रोतों से कहीं अधिक थी।

मंत्री के यहां ईडी की छापेमारी 'वोट चोरी' से ध्यान भटकाने की कोशिश : द्रमुक

चेन्नई। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक ने अपने वरिष्ठ नेता एवं मंत्री आई पेरियासामी से संबंधित परिसरों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी को लेकर शनिवार को तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह 'वोट चोरी' से ध्यान भटकाने का प्रयास है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 2024 के चुनाव में कथित चुनावी धोखाधड़ी को लेकर ''वोट चोरी'' का आरोप लगा रहे हैं। ईडी ने धनशोधन की जांच के तहत शनिवार को तमिलनाडु के मंत्री और द्रमुक के वरिष्ठ नेता पेरियासामी, उनके विधायक पुत्र आई पी सेंथिलकुमार के चेन्नई और उनके गृहनगर डिंडीगुल में कई परिसरों की तलाशी ली। द्रविड मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के संगठन सचिव आर एस भारती ने कहा कि ''पार्टी न तो ईडी से और न ही मोदी से डरेगी।'' पार्टी के एक बयान में, भारती ने आरोप लगाया कि भाजपा सशक्त और स्वायत्त निकायों को अपने ''चुनावी हथियार'' के रूप में इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि दूसरे दलों पर अवैध धनशोधन का आरोप लगाने वाली भाजपा ''वोट चोरी की राजनीति'' कर रही है।

द्रमुक नेता ने आरोप लगाया, ''निर्वाचन आयोग का इस्तेमाल करके चुनावी धोखाधड़ी में लिप्त होने के मामले में भाजपा बेनकाब हो गई है। देश इससे स्तब्ध है।

प्रधानमंत्री का राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रशंसा करना स्वतंत्रता दिवस का अपमान : विजयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर संबोधन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का महिमामंडन करने की आलोचना की और कहा कि यह स्वतंत्रता दिवस और स्वतंत्रता संग्राम का अपमान करने के समान है।

मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में विजयन ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा संघ की प्रशंसा करना दक्षिणपंथी संगठन को स्वतंत्रता का श्रेय देने का प्रयास है, जिस पर महात्मा गांधी की हत्या के बाद प्रतिबंध लगा दिया गया था। मोदी के कदम को इतिहास को नकारना बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तरह के हास्यास्पद उपाय संघ की विभाजनकारी राजनीति के जहरीले इतिहास को नहीं छुपा सकते। उन्होंने बयान में कहा, प्रधानमंत्री द्वारा स्वतंत्रता दिवस के संबोधन का इस्तेमाल संघ का महिमामंडन करने के लिए करना, उस दिन का अपमान करने के समान है।

स्वदेशी अपनाकर देश की प्रगति में बनें सक्रिय भागीदार : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भर, खुशहाल और समृद्ध बना है, यहां हर व्यक्ति के पास तरक्की के भरपूर अवसर हैं। उनके नेतृत्व में आज भारत की न केवल दुनिया में साख बढ़ी है बल्कि विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ अग्रसर है। अब देश आत्मनिर्भरता की एक नई कहानी लिख रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर काम कर रही है। राज्य सरकार विकास और सुशासन के संकल्प पर कार्य करते हुए समृद्ध और विकसित राजस्थान बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

शर्मा शुक्रवार को जोधपुर के बरकतुल्लाह खान स्टेडियम में 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामना दी और स्वाधीनता के लिए जीवन भर पीड़ाएं-यातनाएं झेलने वाले ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों और बलिदानियों को नमन किया। उन्होंने इस राष्ट्रीय पर्व पर बहादुर जवानों को स्मरण करते हुए कहा कि वे देश की सीमाओं पर दिन-रात मुस्तैदी के साथ डटे हुए हैं। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में अपनी अमूल्य सेवाएं देने वाले सभी पुलिसकर्मियों और नागरिक संगठनों व समाजसेवी संस्थाओं को भी धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने बीते 11 वर्ष में ऐतिहासिक निर्णय एवं कार्य किए हैं। स्वच्छ भारत अभियान, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन और किसान सम्मान निधि जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से आमजन के सपने पूरे हो रहे हैं। शर्मा ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत 140 करोड़ भारतीयों का सपना, दृढ़ निश्चय और एक जन आंदोलन है। इस सपने को साकार करने में सभी सक्रिय रूप से देश की प्रगति में भागीदार बनें। उन्होंने कहा कि 'वोकल फॉर लोकल' से प्रेरणा लेते हुए हमें स्वदेशी उत्पादों को गर्व के साथ अपनाना है। 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान' में अब जय अनुसंधान जोड़ने की आवश्यकता है। खादी का धागा आजादी की लड़ाई में हमारी ताकत बना था, और आज वही धागा हमें विकसित भारत के सपने को साकार करने की प्रेरणा देता है। आज, 'मेक इन इंडिया' के तहत हम स्वदेशी युद्धपोत, विमान और अत्याधुनिक हथियार प्रणालियां बना रहे हैं। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आर्थिक ताकत ही नहीं बल्कि सैन्य ताकत के रूप में भी उभरा है, जिसकी बानगी ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के रूप में सारी दुनिया ने देखी है।

ऑपरेशन सिंदूर केवल सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि हमारे देश की उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है कि अब सुरक्षा और सम्मान से कोई समझौता नहीं होगा। भारत अब आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि यह नया भारत है जिसका नेतृत्व ऐसे प्रधानमंत्री के हाथ में है जो कहने में नहीं, करने में विश्वास रखते हैं।

गहलोत की सुर्खियां बटोरने की आदत पुरानी : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि उन्हें जोधपुर में स्वतंत्रता दिवस के राजकीय कार्यक्रम में शामिल होना चाहिए था लेकिन उन्हें तो राजनीति करनी है। सुर्खियां बटोरने के लिए राजनीति करना उनकी पुरानी आदत है। पटेल ने अपने बयान में यह बात कही। उन्होंने कहा कि जोधपुर में राज्यस्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन से जोधपुर एवं सीमावर्ती जिलों में उत्साह है।

गहलोत 15 साल मुख्यमंत्री रहे लेकिन उन्होंने जोधपुर को इस हक से वंचित रखा। उन्होंने कहा कि जोधपुर में स्वतंत्रता दिवस समारोह की भव्यता से ईर्ष्या होना स्वाभाविक है। ऑपरेशन सिन्दूर की सफलता पर हुआ अद्भुत ड्रोन शो सालों तक याद किया जाएगा। उस शो की चमक से बॉर्डर पार भी कइयों की आंखें चोंधिया गई हैं लेकिन राजनीति करने से कभी नहीं चूकने वाले इस मौके पर भी बाज़ नहीं आए।

पटेल ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस का कार्यक्रम देशभक्ति, राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत होता है लेकिन गहलोत ने साल 2023 में राजकीय कार्यक्रम को घोषणा दिवस बना दिया था और एक करोड़ महिलाओं को स्मार्टफ़ोन देने की घोषणा की थी लेकिन लोगों को कुछ नहीं मिला पटेल ने जोधपुर में रेजिडेंसी रोड पर हुई दुर्घटना में एक बच्चे की मृत्यु को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि यह घटना सुबह साढ़े पांच बजे हुई है। इस घटना को मुख्यमंत्री के जोधपुर प्रवास से नहीं जोड़ा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस घटना पर संवेदनशीलता दिखाते हुए सांसद एवं विधायक को पीड़ित परिजनों के पास भेजा। सरकार ने पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता एवं एक परिजन को संविदा पर नौकरी देने का आश्वासन दिया है। वहीं जोधपुर पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए डंपर ड्राइवर को निरूद्ध कर डंपर को जब्त किया है।

भजनलाल शर्मा ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर गोविन्द देव जी के किए दर्शन

जयपुर/दक्षिण भारत । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर सपत्नीक जयपुर के आराध्य देव गोविन्द देव जी मंदिर में दर्शन किए। शर्मा ने विधिवत रूप से पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं आमजन की खुशहाली की प्रार्थना की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा कि भगवान कृष्ण ने गीता में जो उपदेश दिए, वह आज भी हमारे जीवन को सार्थक बना रहे हैं। हम सभी को भगवान कृष्ण के दिखाए मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि कृष्ण ने कर्म की प्रधानता का संदेश दिया था। इसे आत्मसात कर हम सभी को विकसित भारत, विकसित राजस्थान के लिए मिलकर कार्य करना होगा। इसके पश्चात शर्मा ने जयनिवास बाग में ही देवस्थान विभाग के राजकीय प्रत्यक्ष प्रभार श्रेणी के मंदिर लक्ष्मीनारायण जी में भी दर्शन किए।

भजनलाल ने वाजपेयी की पुण्यतिथि पर उन्हें अर्पित की श्रद्धांजलि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर वाजपेयी के चित्र पर पुष्प चढ़ाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी और कहा कि वाजपेयी ने दूरदर्शी नेतृत्व और मजबूत निर्णयों के माध्यम से देश के चहुंमुखी विकास को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि वाजपेयी ओजस्वी वक्ता और कुशल राजनेता के रूप में सदैव याद किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री निवास के अधिकारी-कर्मचारी भी मौजूद थे।

राजस्थान के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के पूर्वी इलाके के कुछ हिस्सों में 24 घंटे के दौरान मेघ गर्जन के साथ हल्की से मध्यम तथा कहीं कहीं पर भारी बारिश हुई, जबकि पश्चिमी हिस्सों में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम तथा एक-दो स्थानों पर भारी बारिश हुई। मौसम विभाग के प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि इस दौरान राज्य में सर्वाधिक 70.0 मिलीमीटर बारिश बाली (पाली) में हुई।

उन्होंने बताया कि शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटे की अवधि में उदयपुर के गोगुंदा में सात सेंटीमीटर, डूंगरपुर के देवल में छह सेंटीमीटर, भरतपुर के पहाड़ी में छह सेंटीमीटर, झालावाड़ के गंगधार में पांच सेंटीमीटर, राजसमंद के नाथद्वारा में पांच सेंटीमीटर, कुंभलगढ़ में पांच सेंटीमीटर और अन्य कई स्थानों पर चार सेंटीमीटर से एक सेंटीमीटर तक बारिश दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि वर्तमान में दक्षिण ओडिशा व आंध्रप्रदेश के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। प्रवक्ता ने बताया कि इस तंत्र के प्रभाव से आगामी चार से पांच दिन दक्षिणी राजस्थान के उदयपुर, जोधपुर संभाग के कुछ भागों में मेघ गर्जन के साथ मध्यम व कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। अन्य कोटा, अजमेर, जयपुर, भरतपुर व बीकानेर संभाग के कुछ भागों में मेघ गर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में बंगाल की खाड़ी में एक के बाद एक कम दबाव के क्षेत्र बनने के कारण अगस्त के आखिरी सप्ताह में मानसून राज्य के अधिकांश भागों में सक्रिय रहने तथा मध्यम से तेज बारिश की गतिविधियां दर्ज होने की प्रबल संभावना है।

प्रवक्ता के अनुसार शुक्रवार को राज्य में सर्वाधिक अधिकतम तापमान बाड़मेर में 40.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, वहीं शनिवार सुबह राज्य में निम्नतम न्यूनतम तापमान प्रतापगढ़ में 24.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

देवनानी ने महाना को राजस्थान वि.स. के सदन और कांस्टीट्यूशनल क्लब का अवलोकन कराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से शनिवार को यहां विधानसभा में उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने शिष्टाचार भेंट की। दोनों अध्यक्षों ने संसदीय कार्यप्रणाली, लोकतांत्रिक परंपराओं, विधायिका की चुनौतियां और उसकी प्रभावी भूमिका पर चर्चा की। देवनानी ने राजस्थान विधानसभा की विशेषताओं,नवाचारों, सदन की ऑनलाइन एवं पेपरलेस प्रक्रिया,पारदर्शी कार्यशैली की जानकारी दी।

महाना ने राजस्थान विधानसभा भवन की अनूठी स्थापत्य संरचना, सदन की ऑनलाइन एवं पेपरलेस कार्यप्रणाली और यहां विकसित की गई आधुनिक व्यवस्थाओं से संबंधित विभिन्न नवाचारो का अवलोकन किया। उन्होंने विधानसभा स्थित विधानसभा संग्रहालय (म्यूजियम) का भी दौरा किया और वहाँ प्रदर्शित संसदीय धरोहर, संविधानिक इतिहास एवं राजस्थान की समृद्ध लोकतांत्रिक परंपरा से संबंधित दुर्लभ दस्तावेज़ों की सराहना की।

देवनानी और महाना ने विधानसभाओं से संबंधित संसदीय कार्य प्रणालियों पर आधारित अनुभव साझा किये। दोनों अध्यक्षों ने माना कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती के लिए एक-दूसरे के अनुभवों का आदान-प्रदान अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों की विधान सभाओ के आपसी सहयोग को अधिक प्रगाढ़ बनाने के लिए विधान मंडलों के अध्यक्षो के अनुभवों को साझा करने बल दिया। देवनानी ने महाना को बताया कि राजस्थान विधानसभा में भारतीय नव वर्ष के अनुसार वार्षिक डायरी का प्रकाशन किया गया है। विधानसभा में कारगिल शौर्य वाटिका का निर्माण किया गया है। विधानसभा के राजनीतिक आख्यान संग्रहालय में राजस्थान के महापुरुषों और विभिन्न क्रांतियों से संबंधित जानकारियों तथा संवैधानिक दीर्घा के नवाचार भी समावेशित किये गये है। देवनानी ने महान को क्लब का अवलोकन करते हुए बताया की क्लब के विभिन्न सभागारों का नामकरण भारतीय शब्दों पर किया गया है। देवनानी ने महाना को पुष्प गुच्छ व स्मृति चिन्ह भेंट कर तथा दुपट्टा व शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। देवनानी ने महाना के सम्मान में उन्हें दोपहर भोज भी दिया।

बीएमवीएसएस ने 24 लाख दिव्यांग व्यक्तियों की मदद की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर फुट के निर्माता भगवान महावीर दिव्यांग सहायता समिति (बीएमवीएसएस) ने 1975 में अपनी स्थापना के बाद से भारत और विदेश में लगभग 24 लाख दिव्यांग व्यक्तियों की मदद की है। संस्था के संस्थापक डी आर मेहता ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इनमें से 47,527 विदेशी नागरिक हैं, जिन्हें 46 देशों में आयोजित 116 शिविरों के माध्यम से सहायता दी गई।

हाल ही में, संगठन ने विदेश मंत्रालय के सहयोग से अफगानिस्तान के काबुल में शिविर आयोजित किए, जहां 75 लोगों की मदद की गई, जबकि मोजाम्बिक के मापुटो में 1,230 लोगों का पुनर्वास किया गया। मेहता ने कहा, पिछले एक साल में ही, बीएमवीएसएस ने कृत्रिम अंग, कैलीपर्स, तिपहिया साइकिल, व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र और अन्य सहायक उपकरण प्रदान करके 1.78 लाख लोगों की मदद की है। मेहता ने बताया कि संगठन जल्द ही तंजानिया, निकारागुआ, त्रिनिदाद और टोबैगो, ग्वाटेमाला, सूडान और म्यांमा में शिविर आयोजित करेगा।

एनजीओ ने अपनी स्वर्ण जयंती के अवसर पर अमृतसर और एम्स भोपाल में नयी शाखाएं भी खोली हैं। जगदलपुर, शिलांग, बाड़मेर, हमीरपुर और एम्स जम्मू में भी केंद्र खोलने की योजना है।

भरतपुर के राधा रमन मंदिर में हुआ भगवान कृष्ण का अभिषेक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। भरतपुर में स्थित 160 साल पुराने राधा रमन मंदिर में जन्माष्टमी के पावन अवसर पर भगवान कृष्ण का 501 किलो पंचामृत से अभिषेक किया गया। गोड़ीय संप्रदाय का यह मंदिर अपनी विशेष परंपरा के लिए जाना जाता है, जहाँ अन्य मंदिरों की तरह आधी रात के बजाय दिन के समय ही भगवान का अभिषेक किया जाता है। जन्माष्टमी के इस खास मौके पर सुबह से ही भक्तों का तांता लगना शुरू हो गया था। दोपहर में हुए अभिषेक के बाद भक्तों ने भगवान की पूजा-अर्चना कर सुख-शांति की कामना की। इस दौरान मंदिर में भजन-कीर्तन का भी आयोजन किया गया, जिसने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। पूरे भारत में धूमधाम से मनाई जाने वाली जन्माष्टमी का उत्साह ब्रज क्षेत्र का हिस्सा होने के कारण भरतपुर में और भी खास होता है। दिन भर व्रत रखने वाले भक्त रात 12 बजे भगवान कृष्ण का अभिषेक करने के बाद अपना व्रत खोलते हैं।

पाली में 50 हजार की रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

पाली। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने पाली में बड़ी कार्रवाई करते हुए आज एक पटवारी को 50,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान अशोक पटवारी, पटवार मंडल सीरियारी, तहसील मारवाड़ जंक्शन, जिला पाली के रूप में हुई है।

ए.सी.बी. की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, श्रीमती स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी चौकी पाली द्वितीय को एक शिकायत मिली थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसका प्लॉट और दुकान का म्यूटेशन करने के बदले में पटवारी अशोक 50,000 रुपये की रिश्वत मांग रहा था। शिकायत के सत्यापन के बाद, एसीबी जोधपुर रेंज के उप महानिरीक्षक भुवन भूषण यादव के मार्गदर्शन में और एसीबी पाली द्वितीय के प्रभारी खींव सिंह के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया।

राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में अव्यवस्थाओं से आमजन परेशान : गहलोत

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जोधपुर में सड़क दुर्घटना में एक बालक की मृत्यु पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने परिजनों के प्रति संवेदना जताते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं अत्यंत दुखद और पीड़ादायक हैं। स्वतंत्रता दिवस के राज्य स्तरीय समारोह के दौरान प्रशासनिक अव्यवस्थाओं ने आमजन को भारी परेशानी में डाल दिया। मिली जानकारी के अनुसार धूप और भीड़ के कारण 15 से अधिक बच्चों को डिहाइड्रेशन की स्थिति में अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। वहीं कई लोगों को प्रवेश पास होने के बावजूद कार्यक्रम स्थल में प्रवेश नहीं दिया गया, जिससे असंतोष का माहौल रहा। लोगों ने आरोप लगाया कि सरकार और प्रशासन ने समारोह की पर्याप्त तैयारी नहीं की थी। सबसे बड़ी विडंबना यह रही कि सड़क दुर्घटना में मासूम की मौत के बावजूद कार्यक्रम में संवेदनशीलता का अभाव दिखाई दिया।

खून और पानी साथ-साथ नहीं बहेंगे : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लाल किले की प्राचीर से पहली बार मोदी ने की संघ की सराहना, शताब्दी वर्ष की दी शुभकामनायें

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान के साथ भारत के संबंधों पर देश का रुख एक बार फिर शुक्रवार को स्पष्ट किया और कहा कि 'खून और पानी' साथ-साथ नहीं बहेंगे। श्री मोदी ने ऐतिहासिक लाल किले की प्राचीर से 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित करते हुए पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान का नाम लिए बिना उसे सख्त चेतावनी दी।

मोदी ने कहा, हमारा देश कई दशकों से आतंक को झेलता आया है। देश के सीने को छलनी कर दिया गया है। अब हमने एक न्यू नॉर्मल स्थापित किया। आतंक को और आतंकी को पालने-पोसने वालों, आतंकियों को ताकत देने वालों को अब हम अलग-अलग नहीं मानेंगे। वो मानवता के समान दुश्मन है। उनके बीच कोई फर्क नहीं है।

मोदी ने पाकिस्तान के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' समेत अन्य कड़े कदमों की चर्चा कर भारतीय सेना के सामर्थ्य को नमन किया। भारत की बढ़ती सैन्य ताकत का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, अब भारत ने तय कर लिया है कि इन न्यूक्लियर धमकियों को अब हम सहने वाले नहीं हैं। न्यूक्लियर ब्लैकमेल लंबे अरसे से चला आया है। अब वो ब्लैकमेल नहीं सहा जाएगा। आगे भी अगर दुश्मनों ने ये कोशिश जारी रखी तो हमारी सेना तय करेगी, सेना की शर्तों पर, सेना जो समय निर्धारित करे, उस समय पर, सेना जो तौर तरीके तय करें उस तौर तरीके से, सेना जो लक्ष्य तय करे उस लक्ष्य को अब हम अमल में लाकर के रहने वाले हैं। हम मुंह तोड़ जवाब देंगे।

मोदी ने सिंधु नदी जल समझौता और जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों पर कहा, अब भारत ने तय कर लिया है कि खून और पानी एक साथ नहीं बहेंगे। अब देशवासियों को भली-भांति पता चला है कि सिंधु का समझौता कितना अन्यायपूर्ण है। कितना एकतरफा है। उन्होंने आगे कहा, भारत से निकलती नदियों का पानी दुश्मनों के खेत को सींच रहा है और मेरे देश के किसान, मेरे देश की धरती पानी के बिना प्यासी है।

मोदी ने कहा, ये ऐसा समझौता था, जिसने पिछले 7 दशक से मेरे देश के किसानों का अकल्पनीय नुकसान किया है। अब हिंदुस्तान के हक का जो पानी है उस पर अधिकार सिर्फ और सिर्फ हिंदुस्तान का है। हिंदुस्तान के किसानों का है। भारत कतई सिंधु समझौते को, उस स्वरूप को दशकों तक सहा है। उस स्वरूप को आगे नहीं सहा जाएगा।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शुक्रवार को पहली बार ऐतिहासिक लाल किले के प्राचीर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की सराहना करते हुए शताब्दी वर्ष पर उसे शुभकामनायें दी और कहा कि संघ राष्ट्र निर्माण के काम में जुटा हुआ है। मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर संबोधन में लाल किले की प्राचीर से संघ के योगदान की प्रशंसा करते हुए कहा, कोटि- कोटि जनों के पुरुषार्थ से आज से सौ साल पहले इस संगठन का जन्म हुआ। इसकी सौ वर्ष की राष्ट्रीय सेवा गौरवपूर्ण है। राष्ट्र निर्माण का संकल्प लेकर, मां भारती के कल्याण का लक्ष्य लेकर संगठन के लोगों ने जीवन समर्पित किया है।

उन्होंने कहा, सेवा, समर्पण और अनुशासन संघ के स्वयंसेवकों की पहचान रही है। यह संगठन दुनिया का सबसे बड़ा एनजीओ (गैर सरकारी संगठन) है। हम इसके सौ साल के इतिहास को आदरपूर्वक स्मरण करते हैं। यह संगठन व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण के कार्य को समर्पित है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा, आज मैं गर्व के साथ एक बात का जिक्र करना चाहता हूं। आज से 100 साल पहले एक संगठन का जन्म हुआ- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ। संघ के लोग 100 साल से राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं।

पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 79वां स्वतंत्रता दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। स्वतंत्रता दिवस की 79वीं वर्षगांठ शुक्रवार को पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनायी गई और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऐतिहासिक लाल किले की प्राचीर से बारहवीं बार राष्ट्र को संबोधित किया। राष्ट्रीय राजधानी में स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह लालकिले के प्रांगण में मनाया गया। श्री मोदी ने लालकिले की

प्राचीर पर श्री मोदी ने तिरंगा फहराया। इससे पहले वह राजधाट गए, जहां उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धासुमन अर्पित किए। प्रधानमंत्री ने देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी और कहा, आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनायें। मेरी कामना है कि यह सुअवसर सभी देशवासियों के जीवन में नया जोश और नई स्फूर्ति लेकर आये, जिससे विकसित भारत के निर्माण को नई गति मिले। उन्होंने अपने संबोधन में अगली पीढ़ी के सुधारों की घोषणा करते हुए भारत दुनिया में बढ़ते आर्थिक स्वार्थ और वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए स्वदेशी और आत्मनिर्भरता को अपना हथियार बनायेगा। मोदी ने 140 करोड़ देशवासियों और सभी राजनीतिक दलों से एकजुट होकर 'समृद्ध भारत' को अपना मूल बनाने का आह्वान किया और कहा कि यह किसी एक व्यक्ति या दल का एजेन्डा नहीं, बल्कि प्रत्येक भारतीय के जीवन का लक्ष्य होना चाहिए।

योगी जी से अनुरोध है कि शाहजहांपुर जिले का नाम बदलकर कुछ और रखें : उमा भारती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बरेली (उप्र)/भाषा। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता उमा भारती ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से राज्य के शाहजहांपुर जिले का नाम बदलने का अनुरोध किया।

भारती ने आंवला नगर के रेलवे स्टेशन तिराहे के निकट वीरांगना अवंती बाई लोधी की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद अपने संबोधन में कहा, मैं यहां आ रही थी तो रास्ते में शाहजहांपुर नाम का जिला दिखा। शाहजहांपुर नाम अच्छा नहीं लगता। योगी जी से अनुरोध है कि इसका कोई नया नाम रखें। भारती ने कहा, गुलामी के दौर की याद दिलाने वाले किसी व्यक्ति के नाम पर जिले का नाम रहे, यह अच्छा नहीं है। मैं दोबारा यह नाम सुनना भी नहीं चाहती। उन्होंने लोधी समाज के इतिहास का वर्णन करते हुए कहा कि भाजपा ने लोधी समाज से दो-दो मुख्यमंत्री दिए हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लोधी समाज पहला समाज था जिसने भाजपा को 'प्लेटफार्म' दिया, इससे पहले भाजपा की छवि पिछड़ों के हितैषी की नहीं थी। उन्होंने कहा कि लोधी समाज ने भाजपा को मंच दिया जिसकी वजह से पार्टी अपना विस्तार कर सकी। भारती ने कहा कि भाजपा ने लोधी समाज का मान रखा तो लोधियों ने भाजपा की इज्जत की।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सनातन धर्म के संरक्षण पर दिया जोर, जन्माष्टमी की बधाई दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर मथुरा में श्रीकृष्ण के जन्मस्थान पहुंचकर दर्शन किए और देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के धर्म पथ पर चलकर जनता और देश के कल्याण के लिए कार्य करें।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान सनातन धर्म की विरासत के संरक्षण और आधुनिक विकास के बीच संतुलन बनाने की बात कही, साथ ही अपनी सरकार की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। एक बयान के मुताबिक शनिवार को पूर्वाह्न करीब 11:50 बजे श्रीकृष्ण जन्मस्थान पहुंचे मुख्यमंत्री ने ठाकुर केशवदेव और माता योगमाया के दर्शन किए। इसके बाद गर्भगृह में श्रीकृष्ण चबूतरे की पूजा-अर्चना की। उन्होंने श्रद्धालुओं से भरे परिसर में सभा को संबोधित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने वृंदावन बिहारी लाल और जय श्री राधे के जयकारे लगाए। उन्होंने श्रीकृष्ण के 5252वें जन्मोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा, यह बृजभूमि भगवान विष्णु के पूर्ण अवतार श्रीकृष्ण की लीलाओं की भूमि है। यह हम सबका सौभाग्य है कि भगवान के कई अवतारों ने उत्तर प्रदेश की भूमि को कृतार्थ किया है। अयोध्या से लेकर मथुरा तक, ये स्थान हमारी आध्यात्मिक विरासत के प्रतीक हैं।

कांग्रेस की 'वोटर अधिकार यात्रा' बिहार में पार्टी की 'शवयात्रा' में बदलेगी: भाजपा नेता अश्विनी चौबे

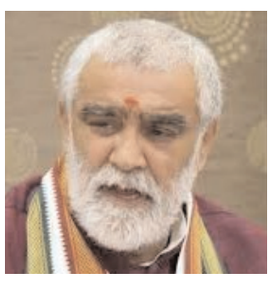

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने शनिवार को बिहार में कांग्रेस की प्रस्तावित 'वोटर अधिकार यात्रा' पर निशाना साधते हुए कहा कि यह जल्द ही पार्टी की 'शवयात्रा' में बदल जाएगी।

चौबे ने विश्वास जताया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) बिहार में बहुमत के साथ अगली सरकार बनाएगा। चौबे ने झारखंड के रामगढ़ जिले में कहा, कांग्रेस के दिन अब लद गए हैं। प्रस्तावित यात्रा भविष्य में पार्टी की 'शवयात्रा' में बदल जाएगी। कांग्रेस के एक नेता ने बताया कि राहुल गांधी बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के माध्यम से लोगों के मताधिकार पर कथित हमले को उजागर करने के लिए रविवार को 'वोटर अधिकार यात्रा' की शुरुआत करेंगे। चौबे शनिवार को आदिवासी नेता शिबू सोरेन के श्राद्धकर्म में शामिल होने के लिए रामगढ़ जिले में उनके पैतृक गांव नेमरा पहुंचे। शिबू सोरेन (81) का दिल्ली के एक अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया था। चौबे ने कहा, राजग पूर्ण बहुमत के साथ बिहार में अपनी सरकार बनाएगा। हम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में दो-तिहाई बहुमत से चुनाव जीतेंगे। बिहार की 243 विधानसभा सीट के लिए चुनाव अक्टूबर-नवंबर में होने की उम्मीद है।

भाजपा के खिलाफ हिंदू-मुस्लिम गठबंधन बनाने पर विचार : प्रशांत किशोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने महात्मा गांधी और बाबासाहेब अंबेडकर की विचारधाराओं में विश्वास रखने वाले हिंदुओं तथा मुस्लिम समुदाय के बीच गठबंधन बनाकर भाजपा को हराने का संकल्प लिया है।

किशोर ने शनिवार को जन सुराज पार्टी से जुड़े मुस्लिम नेताओं के साथ बैठक के बाद संवाददाताओं से बात करते हुए आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से पहले अपना यह दृष्टिकोण सामने रखा। उन्होंने कहा, सभी हिंदू भाजपा का समर्थन नहीं करते। वास्तव में, यह भी नहीं कहा जा सकता कि अधिकांश हिंदू भाजपा के साथ हैं। हम एक विचारधारा-आधारित गठबंधन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। किशोर ने दावा करते हुए कहा, हम महात्मा गांधी और बाबासाहेब अंबेडकर की विचारधारा में विश्वास रखने वाले हिंदुओं और मुसलमानों के बीच एक गठबंधन बनाना चाहते हैं। ऐसा समीकरण भाजपा को आसानी से हरा सकता है। प्रशांत किशोर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सफल चुनाव अभियान के प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्धि मिली थी। गौरतलब है कि किशोर ने पहले घोषणा की थी कि उनकी पार्टी 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा के चुनावों में 40 मुसलमानों को मैदान में उतारेगी।

पुरी में जगन्नाथ मंदिर पर चढ़ने की कोशिश करने वाला रांची का व्यक्ति हिरासत में लिया गया

पुरी/भाषा। झारखंड की राजधानी रांची के एक व्यक्ति को पुरी स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर पर चढ़ने की कोशिश करने के आरोप में हिरासत में लिया गया। पुलिस ने बताया कि पंचम महोत नाम का यह व्यक्ति 12वीं सदी के इस मंदिर के दक्षिणी हिस्से में करीब पांच से सात फुट ऊपर तक चढ़ गया था, तभी श्री जगन्नाथ मंदिर पुलिस (जेटीपी) के कर्मियों ने उसे रोक लिया। फिलहाल, पंचम से सिंहद्वार पुलिस थाने में पूछताछ की जा रही है। पुलिस के एक अधिकारी ने प्रारंभिक जांच के हवाले से बताया कि यह व्यक्ति मानसिक रूप से अस्वस्थ प्रतीत होता है। कुछ दिन पहले, ओडिशा के गंजाम जिले का एक व्यक्ति भी मंदिर पर चढ़ गया था, जिससे सुरक्षा संबंधी चिंता बढ़ गई थी।

असम में खेलों का बुनियादी ढांचा अच्छा, लेकिन प्रतिभाओं को तैयार करना लक्ष्य: मुख्यमंत्री हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि राज्य में खेलों का बुनियादी ढांचा अच्छा है, लेकिन अंतिम लक्ष्य प्रतिभाओं को तैयार करना है।

मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी उत्तरी गुवाहाटी में एक क्रिकेट और फुटबॉल अकादमी का उद्घाटन करने के बाद की। उन्होंने कहा, अंततः हमें प्रतिभाओं का सृजन करना होगा और मुझे विश्वास है कि ये दोनों अकादमियां इस दिशा में योगदान देंगी। शर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि मौजूदा सुविधाओं के प्रभावी उपयोग से असम गुणवत्तापूर्ण खिलाड़ी तैयार कर सकेगा और खेल के क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों को बढ़ा सकेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि बुनियादी ढांचे के विकास के बावजूद, राज्य से शीर्ष स्तर के एथलीट का उभरना सीमित रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मुख्य ध्यान एथलीट के विकास पर केन्द्रित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शहर के सबसे पुराने क्लब, गुवाहाटी टाउन क्लब (जीटीसी) ने एक अत्याधुनिक फुटबॉल अकादमी स्थापित की है और असम क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) ने भी उत्तरी गुवाहाटी में एक सुंदर क्रिकेट अकादमी का निर्माण किया है।

शर्मा ने कहा कि खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों तरह के प्रशिक्षक होंगे।

इंग्लैंड दौरे से अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने का सबक सीखा: करूण नायर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की शृंखला के दौरान लगातार अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में विफल रहना करुण नायर के लिए निराशाजनक रहा लेकिन घरेलू क्रिकेट का यह स्टार बल्लेबाज राष्ट्रीय टीम के लिए अपने अगले मौके को बड़े स्कोर में तब्दील करने के लिए प्रतिबद्ध है।

घरेलू क्रिकेट में रनों का अंबार लगा कर लगभग आठ साल बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी करने वाले नायर ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी की आठ पारियों में 25.62 के औसत से 205 रन बनाये। उन्होंने इस दौरान इकलौता अर्धशतक (57 रन) द ओवल मैदान में जड़ा। नायर ने अर्धशतकीय पारी के अलावा 40, 31, 26 और 21 के स्कोर के साथ अच्छी शुरुआत की लेकिन वे इन पारियों को बड़े स्कोर में बदलने में नाकाम रहे। इंग्लैंड के खिलाफ बड़ा स्कोर बनाने में विफल रहने के बारे में पूछे जाने पर नायर ने कहा, ऐसा कुछ (अच्छी शुरुआत के बाद विकेट गंवाना) नहीं था। ऐसा नहीं था कि मैं कुछ साबित करने की कोशिश कर रहा था। आप जानते हैं, कभी-कभी ऐसा होता है कि आपको ज्यादातर मैचों में अच्छी शुरुआत मिलती है और फिर आप किसी तरह से आउट हो जाते हैं। यह बल्लेबाज हालांकि सुधार के लिए दृढ़ संकल्प है। उन्होंने कहा, मैं पूरी शृंखला में बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहा था और ज्यादातर मैचों में मुझे अच्छी शुरुआत मिल रही थी। मैं 30 और 40 के स्कोर तक पहुंच रहा था लेकिन इसे बड़े स्कोर में नहीं बदल पा रहा था। यह मेरे लिए किसी और से ज्यादा निराशाजनक था।

कोलकाता पुलिस ने विवादास्पद फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' के ट्रेलर को जारी किए जाने से 'रोका'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कोलकाता पुलिस ने 1946 के कलकत्ता दंगों पर आधारित विवादास्पद फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' का ट्रेलर शनिवार को जारी किए जाने से रोक दिया। इसके निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने यह दावा किया। फिल्म का ट्रेलर दोपहर में महानगर के एक पांच सितारा होटल में प्रदर्शित किया जाना था।

कार्यक्रम स्थल पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने इस मुद्दे पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। अग्निहोत्री ने हालांकि आरोप लगाया कि यह लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला है, क्योंकि सेंसर बोर्ड ने फिल्म को मंजूरी दे दी थी और कलकत्ता उच्च न्यायालय ने इस पर लगे प्रतिबंध पर स्थगन आदेश दे दिया था। उन्होंने कहा कि ट्रेलर के प्रदर्शन को सबसे पहले होटल के एक प्रतिनिधि ने अपराह्न लगभग एक बजे रोका और कहा कि केवल संवाददाता सम्मेलन के लिए अनुमति दी गई थी। निर्देशक ने दावा किया कि जब थोड़ी देर बाद ट्रेलर फिर से दिखाया गया, तो अचानक कोलकाता पुलिस के पांच से छह अधिकारी उस बैंक्वेट हॉल में पहुंचे जहां कार्यक्रम हो रहा था और उन्होंने प्रदर्शन बीच में ही रोक दिया।

फिल्म निर्माता को पुलिसकर्मियों और होटल के कर्मचारियों के साथ बहस करते भी देखा गया।

सुविचार

सपने सच करने के लिए पहले सपने देखना पड़ता है।

ट्वीट

राजस्थान सरकार में मेरे सहयोगी, कैबिनेट मंत्री श्री कन्हैयालाल चौधरी जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि आपको दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करें और जनसेवा व विकास के आपके सभी संकल्प सिद्ध हों।

-भजनलाल शर्मा

बेंगलुरु में हुए अग्निकांड की दुःखद दुर्घटना में भीनमाल (जालोर) के नागरिकों के असामयिक निधन का समाचार अत्यंत हृदयविदारक है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिजनों को यह गहन दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

-दीया कुमारी

कहानी

वनमाली

आदमी और कुत्ता

मैं आपके सामने अपने एक रेल के सफर का बयान पेश कर रहा हूँ। यह बयान इसीलिए है कि सफर में मेरे साथ जो घटना घटी उसका कभी आप अपने जीवन में सामना करें तो आप अपनी किंकर्तव्यविमूढ़ता झिटककर अपने भीतर बैठे आदमी के साथ उचित न्याय कर सकें। सो जिस दिन का यह जिक्र है उस दिन गाड़ी में खूब भीड़ थी। अब तो गाड़ियों को खूब खचाखच भरी आने का एक रोग हो गया है। इसीलिए भले लोग सफर करने के पहले गाड़ी में अपने लिए बर्थ रिजर्व करा लेते हैं। पैसे देकर सीट प्राप्त कर लेते हैं। लेकिन मैं बर्थ रिजर्व करा नहीं पाया था और लेने देने के पचड़े का मुझे अभ्यास नहीं था। ऐसी परिस्थिति में बड़ी परेशानी उठाकर मैं चार बर्थ वाले थर्ड क्लास के एक छोटे डिब्बे में अपने को टेकने भर के लिए जैसे तैसे स्थान प्राप्त कर सका।

डिब्बे में चारों तरफ मैंने नजर घुमाई तो उसमें मुझे आदमियों से असबाब ही अधिक दिखायी दिया। लकड़ी के खोखे, टीन के बक्स, बांस के बेडौल टिपारे और कई थैलियों ने बाकायदा तीन बर्थों पर ऊपर नीचे मजे की एक नुमाइश लगा रखी थी। मेरे मन में थोड़ी झुँझलाहट हो आई। मैंने कहा, यह भी एक ही रही। आदमियों के लिए यह डिब्बा ठहरा। लेकिन क्या यह असबाब भी अपने को कोई आदमी समझता है जो इसने इतनी सारी जगह पर बड़ी हिमाकत से कब्जा कर रखा है? जैसे इसके सामने नाचीज आदमी का कोई अस्तित्व ही नहीं। दुनिया में आदमी को आदमी नहीं प्यारा है, अपना असबाब प्यारा है, वह डिब्बा जैसे इस बात का खूब स्पष्टता से पुकार-पुकार कर प्रचार करता-सा लगा। जब गाड़ी खुल गई और लोग दब-मुंद कर जहाँ-तहाँ बैठ गए तब मैंने अपने पास बैठे सहयात्री से पूछा – क्यों भाई इतना सारा सामान किसका है?

सहयात्री ने मुझे बताया – 'उन सिंधियों का है बाबूजी।' और उसने मुझे पहिचनवाने के लिए अपनी अंगुली दूसरी बर्थ पर बैठे हुए दो-तीन आदमियों की ओर घुमा दी। उसी यात्री ने आगे मुझे बताया – 'मैं नागपुर से इनके साथ आ रहा हूँ बाबूजी। वहाँ एक सिपाही इनके साथ आकर सवारियों को हटाकर इनका सामान रखवा गया।' मुझे किस्सा दिलचस्प लगा और मैंने उसके सूत्र को यहीं नहीं टूट जाने दिया। मैं सिंधियों की ओर मुखातिब हुआ।

मैंने पूछा – 'क्यों भाई, इतना सारा क्या सामान है?'

एक जरा अधेड़ उमर का सिंधी बोला – 'यही बाबूजी कुछ कपड़ा और मनिहारी का सामान है। हम शरणार्थी लोग हैं। हमारा सब तो पाकिस्तान में छूट गया। अब कुछ रोजगार कर बाल बच्चों का पेट पाल लेते हैं।' मैंने जवाब दिया – 'मैं कहाँ तुम्हें अपने बाल-बच्चों के पेट पालने से रोकता हूँ! लेकिन यह तो आदमियों का डिब्बा है। ये बक्स और खोखे और थैले तुम्हें असबाब के डिब्बे में बुक करने थे।' वही अधेड़ सिंधी बोला – 'बाबू साब, इन्हें आदमियों के दर्जे में लाने के लिए हमने दस रुपये खर्च किए हैं।' बात इस तीखे ढंग से कही गई कि उसका स्वाद मुझे जरा नमकीन लगा।

मैंने पूछा – 'तुम्हारा मतलब?'

सिंधी बताने लगा – 'बाबू साब, पाँच रुपये मैंने टिकट चैकर को दिए जिसने हमें ये सामान प्लेट फार्म के भीतर लाने दिया। तीन रुपये हमने पुलिस वाले को दिए जिसने आकर सामान डिब्बे में लदवाया और दो रुपये हमने कुली को सामान ढोने के दिए।'

इसी दौरान एक टिकट-चेकर हमारे डिब्बे में आ पहुँचा। उसने भी सामान पर अपनी नजर घुमाई और पैसिंजरों की मुसीबत को भाँपा। पैसिंजरों के टिकट चैक करने के बाद उसका प्रश्न हुआ 'यह किसका सामान है?'

वही अधेड़ सिंधी बोला – 'हमारा है हुजूर।'

टिकिट-चेकर छूटते ही कहने लगा – 'तुम सिंधी लोग बड़ा खराब आदमी है। सरकार की मेहरबानी का गैर-वाजिब फायदा उठाता है? इतना सारा सामान गाड़ी में काहे लाद लिया। देखता नहीं, पैसिंजरों को तकलीफ होती है। तुम्हारे पास इस सामान का टिकट है?'

सिंधी इस प्रश्न के लिए जैसे पहिले ही तैयार था। वह न मालूम कितनी बार दोहराया हुआ अपना वही पहाड़ा पढ़ने लगा – 'हम शरणार्थी लोग हैं – हमारा सब तो पाकिस्तान में छूट गया। हम आपकी दया पर पेट पालते हैं। लीजिए सिगरेट पीजिए।' और सिंधी ने कैंची सिगरेट का एक नया पैकेट अपनी जेब से निकाल कर टिकट-चेकर साहब के हाथ में थमा दिया।

टिकट-चेकर ने सिगरेट का पैकेट लेते हुए और उसे अपने पास की माचिस से जलाते हुए पूछा – 'सिगरेट नहीं, हम टिकट माँगता है। बताओ टिकट है?' सिंधी बोला – 'नहीं है हुजूर।' 'तो बोलो कितना मन सामान है? हम रसीद बनाएगा।' और टिकट-चेकर ने अपनी जेब से रसीद बुक निकाल ली।

'दो मन होगा हुजूर।''नहीं तुम झूठ बोलता है। ठीक-ठीक बताओ।''तो तीन मन होगा हुजूर।''नहीं ज्यादा है। ईमान से बोलो।''तो फिर हुजूर, जितना समझते हों उतना लगा लें। हुजूर माई-बाप हैं।''माई-बाप क्या। बे-टिकिट सामान लाता है और महसूल भी देना नहीं चाहता। गाड़ी तुम्हारे बाप का है?'सिंधी चुप।'बोलो। तुम ठीक-ठीक बोलो। कितना मन सामान होने सकता है? हम तुम्हारी बात का ऐतबार करेगा। तुम पर अन्याय नहीं करेगा।'सिंधी न मालूम क्यों फिर भी चुप ही टिकट-चेकर के सामने खड़ा रहा।

इसी बातचीत के दरम्यान गाड़ी एक दूसरे स्टेशन पर आकर रुकी। सिंधी और टिकट-चैकर डिब्बे से उतर कर नीचे प्लेटफार्म पर चले गए।

कुछ देर बाद गाड़ी चलने के पहिले, जब सिंधी वापस डिब्बे में लौट आया तब मैंने पूछा – 'क्यों सांई क्या हुआ।'

सिंधी बोला – 'होता क्या बाबू साहब। आदमी तो कुत्ता है। रोटी का टुकड़ा डाल दिया और उसका भोंकना बंद।'

सिंधी की बात ने मुझे बहुत गहरे तक चीर दिया। मैंने सोचा, यह सिंधी जो अपने स्वार्थ में दबकर अभी उस टिकट-चैकर से हुजूर-हुजूर कर रहा था और पूँछ हिला रहा था, क्या उतना ही बड़ा कुत्ता नहीं है जितना कि वह टिकट-चैकर। रोग अपने भीतर है और आदमी अपनी आँखों पर पट्टी बाँधकर उसके कारण दूसरों में खोजता फिरता है। तब उसका इलाज उसे कहाँ मिले।

मैंने सिंधी से आगे सवाल किया – 'क्यों सांई, यह बाजी तो तुमने मार ली। अब जहाँ तुम उतरोगे वहाँ कैसे बच पाओगे।'

सिंधी के पास जैसे इस सवाल का भी जवाब मौजूद था। वह चट से बोला – 'वहाँ मेरी एक टिकट-चैकर से दोस्ती है वह जब-तब मेरी दुकान पर आता है तो जो सामान ले जाता है उसके पैसे नहीं देता।'

मैंने जैसे एकाएक दूसरे ही ढंग का सिंधी से प्रश्न कर दिया – 'क्यों सांई, क्या यह अच्छा न हो कि तुम आदमी को कुत्ता न समझो और टिकट लो और ईमानदारी बरतो।'

मेरी इस बात पर वह सिंधी जैसे तन कर खड़ा हो गया और बोला – 'बाबू साहब, भला बताओ कौन आदमी आज ईमानदार है। आप जिसे कहो उसे मैं रिश्वत खिला कर बता दूँ। फिर यह तो बिजनेस है। दुबका-चोरी से दो पैसे हम महसूल में बचा लेते हैं तो दो पैसे सस्ता माल भी तो हम ग्राहकों को बेचते हैं। बताओ इसमें हम क्या बेईमानी करते हैं।' मैंने सिंधी की बात का कोई जवाब नहीं दिया। जवाब देना नहीं चाहा। क्योंकि जिसने अपनी सफाई के लिए ऐसी मजबूत चौहद्दी बाँध रक्खी थी उसे जल्दी तोड़ना सरल भी तो नहीं था। मैंने सिर्फ इतना ही कहा – 'सांई, आदमी जब कुत्ता है तब वह ईमानदारी और बेईमानी क्या समझेगा।'

मालूम नहीं सिंधी मेरी बात समझा भी या नहीं। वह चुप होकर अपनी जगह पर बैठ गया। लेकिन मुझे अपने जवाब से ही संतोष नहीं हुआ। मैंने सिंधी पर करारा व्यंग्य किया। मगर उस व्यंग्य की गिरफ्त में मैं स्वयं ही फँस गया। मैं आदमियत का हामी था तो क्या मुझे सिंधी को कुत्ता बनाकर ही शांत हो जाना चाहिए था। यह कैसा भयानक विश्वास है जो आदमी को कुत्ता समझने को मजबूर करता है। मुझे सिंधी के इस विश्वास को तोड़ना चाहिए था और बताना चाहिए था कि यह आदमी की हार है। असलियत तो यह हो ही नहीं सकती। स्वार्थ से दबकर पूँछ हिलाना आदमी को नहीं सोहता।

उससे लड़ने और उस पर काबू पाने में ही सच्ची इनसानियत है। मुझे सिंधी को समझाना चाहिए था कि वह टिकट चैकर से जाकर कहे – 'नहीं मैं रिश्वत नहीं दूँगा। मैंने जुर्म किया है तो मुझे दंड मिले। मैं दंड के लिए तैयार हूँ।

तभी गाड़ी एक तीसरे स्टेशन पर आकर खड़ी हो गई। मैं अपनी सीट से एकाएक उठ आकर सिंधी के पास पहुँचा और बोला – 'सांई, तुम गलती पर हो। आदमी कुत्ता नहीं है। जरा तुम मेरे साथ आओ तो।' मैं तब सिंधी को साथ लेकर डिब्बे से उतरकर प्लेट फार्म पर उसी टिकट चैकर की खोज करने लगा। जब वह मिला तब मैंने पास बुलाकर उससे कहा – 'देखिए इस सिंधी ने जितने दाम आपको दिए हैं उसमें बाकी जो हो मुझसे लेकर आप पूरे सामान से महसूल की एक रसीद तो बना दीजिए।'

टिकिट चैकर साहब मेरी बात सुनकर पहिले जरा सन्नाटे में आ गए। फिर जरा हँसकर बोले – 'बाबू तुम पागल हुआ है। यह तो रोज का किस्सा है। यह लाला लोग मेहरबानी चाहता है और तुम जानता है कि मेहरबानी मुफ्त में नहीं बँटता। मैंने जवाब दिया – 'मैं इसी रोज के किस्से को तोड़ने आया हूँ। मैं तो आपसे मेहरबानी नहीं माँगता। महसूल की रसीद माँगता हूँ। जरा जल्दी कीजिए तो।'

तब सिंधी बोला – 'बाबू साहब मेहरबानी के एवज में मैंने इन्हें पाँच रुपये दिए हैं।' मैंने टिकट चैकर से कहा – 'लीजिए जरा जल्दी रसीद बुक निकालिए और रसीद बनाइए।' टिकट चैकर साहब ने तब बाकी पैसे मुझसे लेकर पूरे पाँच मन सामान की रसीद बना दी और मैं उसे लेकर सिंधी के साथ अपने डिब्बे में वापिस चला आया। सिंधी बोला – 'बाबू साहब तुम तो महात्मा हो।'

मैंने जवाब दिया – 'नहीं सांई, महात्मा नहीं, लेकिन कुत्ता भी नहीं। सिर्फ आदमी हूँ। मैंने तुम्हारे दस-दस साल के बच्चों को रातों में रेल के डिब्बों में गले में टोकनी बांधे चने बेचते देखा है। कुत्ता ऐसा नहीं करता। तुममें आदमी की मेहनत है। तब तुम आदमी के सम्मान को अपने स्वार्थ के लिए क्यों खोते हो?'

मेरी बात जैसे उस अधेड़ सिंधी व उसके साथियों को लगी। वे मेरे मुँह को टुकुर-टुकुर ताकने लगे और आपस में अपनी भाषा में न जाने क्या बतराने लगे।

थोड़ी देर बाद उसी सिंधी ने अपनी सफाई दी – 'बाबू साब, आपका कहना सही है। लेकिन यह पापी पेट सब कराता है। बिजनेस क्या ईमानदारी को लेकर हो सकती है?'

मैंने सिंधी को समझाने की कोशिश की – 'सांई तुम उस टिकट-चैकर से जाकर पूछो तो वह भी इसी पापी पेट की दुहाई देगा। यह पापी पेट इतने आगे है कि इससे आँखें नहीं चुराई जा सकतीं। पेट तो कुत्ता भी भरता है। किंतु इसलिए तुम्हें यदि कोई कुत्ता कहे तो क्या उसे गाली नहीं समझोगे? और वह गाली क्या तुम्हें नहीं लगेगी? देखो जैसे जहर की दवाई जहर है और काँटा काँटे से ही निकाला जाता है वैसे ही आदमी को ऊँचा समझो और स्वयं ऊँचे बनो। आदमी को कुत्ता समझने और स्वयं को कुत्ता बनाने से कुछ नहीं होने का।'

अबकी बार मेरा स्टेशन आ गया और मैं अपना सूटकेस और होल्डआल लिए डिब्बे से उतरने लगा। तभी उस अधेड़ सिंधी ने मुझे टोका – 'बाबू साहब, ये अपने पैसे तो लेते जाइए।' मैं चकराया – 'कैसे पैसे।' सिंधी ने बताया 'हमारे सामान का जो महसूल आपने दिया वह क्या मुझे आपको नहीं लौटाना चाहिए?' मेरा चित्त प्रसन्नता से भर गया।

मैंने हँसकर कहा – 'सांई, तुम शरणार्थी लोग हो और हमारी दया पर दावा रखते हो। तुम पैसे रखो। मैं नहीं लूँगा। पर देखो अब कभी तुम आदमी को कुत्ता मत समझना। अच्छा नमस्ते।' मैं जब डिब्बे से उतरने लगा तब सिंधी ने जबर्दस्ती मेरे कोट की जेब में पैसे ठूँसते हुए कहा – 'बाबू साब आप ही ने अभी कहा था कि हम सिंधियों में आदमी की मेहनत है। तब फिर हमें अपने सम्मान की रक्षा तो करने दो।' और वह हाथ जोड़कर मेरे सामने खड़ा रहा। मेरी आँखों में आँसू छलछला आए और मैने झट अपने हाथ की अटैची और होल्डाल को वहीं दरवाजे पर पटककर सिंधी को अपनी छाती से लगा लिया। मेरे रेल के सफर का बयान खतम हुआ। आप शायद यह गलतफहमी कर लें कि यह मनगढ़ंत मैंने अपनी अच्छाई का प्रचार करने के लिए की है। सो इस कारण मैं अपना यह फर्ज समझता हूँ कि आपको आगाह कर दूँ कि यह अच्छाई मेरी ही नहीं, आपकी सबकी है। सबके अंदर यह हलकी हलकी बिखरी हुई तैरती है। जरूरत है एक निश्चय की जो उसे संयोजित करके आदमी को कार्य के लिए बेचैन कर दे। मेरा भाग्य कि एक ऐसा ही कठिन निश्चय मुझे अपनी जिंदगी में हाथ लगा और मैं अपनी कल्पना को सही यथार्थ में बदल सका। (भारती, 1951)

– 'हिन्दी समय' से साभार

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

शिवोऽहम्....(5)

आत्मषटकम पर मनन-चिंतन की प्रक्रिया में आज पाँचवें श्लोक पर विचार करेंगे। अपने परिचय के क्रम में अगला आयाम आदिगुरु शंकराचार्य कुछ यूँ रखते हैं,

न मे मृत्युशंका न मे जातिभेद:
पिता नैव मे नैव माता न जन्म:
न बंधुर्न मित्रं गुरुर्नैव शिष्यं
चिदानन्दरूप: शिवोऽहम शिवोऽहम ।।

इसका शाब्दिक अर्थ है कि न मुझे मृत्यु का भय है, न मुझमें जाति का कोई भेद है। न मेरा कोई पिता है, न कोई माता है, न ही मेरा जन्म हुआ है। न मेरा कोई भाई है, न कोई मित्र, न कोई गुरु है और न ही कोई शिष्य। मैं चैतन्य रूप हूँ, आनंद हूँ, शिव हूँ, शिव हूँ।

मृत्यु के संदर्भ में देखें तो शंकराचार्य जी महाराज के कथन से स्पष्ट है कि देह छूटना आशंका नहीं होना चाहिए। यों भी यात्रा में पड़ाव आशंका नहीं हो सकता। यात्रा तो परमात्मा के अंश की है, यात्रा आत्मा की है। यात्रा के सनातन और यात्री के शाश्वत होने का प्रसंग आए और योगेश्वर उवाच, स्मृति में न आए, यह संभव ही नहीं। भगवान गीतोपदेश में कहते हैं,

न जायते म्रियते वा कदाचिन्नायं भूत्वा भविता वा न भूयः।
अजो नित्यः शाश्वतोऽयं पुराणो न हन्यते हन्यमाने शरीरे।।

आत्मा का किसी भी काल में न जन्म होता है और न ही मृत्यु। यह पूर्व न होकर, पुनः न रहनेवाला भी नहीं है। आत्मा अजन्मा, नित्य, शाश्वत और पुरातन है, शरीर के नाश होने पर भी इसका नाश नहीं होता।

मैं मृत्यु नहीं हूँ, अत: स्वाभाविक है कि जन्म भी नहीं हूँ। जो कभी जन्मा ही नहीं, वह मरेगा कैसे? जो कभी मरा ही नहीं, वह जन्मेगा कैसे?..ओशो की समाधि पर लिखा है, 'नेवर बॉर्न, नेवर डाइड, ऑनली विज़िटेड दिस प्लानेट अर्थ बिटविन....' उन्होंने न कभी जन्म लिया, न उनकी कभी मृत्यु हुई। वे केवल फलां तिथि से फलां तिथि तक सौरग्रह धरती पर रहे।'

विचार करें तो बस यही अवस्था न्यूनाधिक हर जीवात्मा की है। स्पष्ट है कि केवल जन्म और मृत्यु तक सीमित रखकर जीवन नहीं देखा जा सकता।

पिता न होना अर्थात किसीके जन्म का कारक न बनना और माता न होना अर्थात किसीको जन्म देने का कारण न होना। जन्म से मृत्यु तक जीवात्मा द्वारा देह धारण करने का कारण और कारक परमात्मा ही हैं। प्राप्त देह, यात्रा की निमित्त मात्र है।

न मार्ग का दर्शन, न मार्ग का अनुसरण.., न गुरु होना, न शिष्य होना। बंधु, मित्र न होना, रक्त का या परिचय का सम्बंध न होना। जगत के सम्बंधों तक सीमित नहीं है अस्तित्व। माता, पिता, गुरु, शिष्य, बंधु, मित्र इहलोक के नश्वर सम्बंध हैं जबकि जीवात्मा ईश्वर का आंशिक अवतरण है।

जातिभेद का उल्लेख करते हुए आदिगुरु स्पष्ट करते हैं कि मैं न कुलविशेष तक सीमित हूँ, न ही वंशविशेष हूँ। 'ईश्वरः सर्वभूतानां हृद्देशेऽर्जुन तिष्ठति।' ...जाति का एक अर्थ उत्पत्ति भी है। जीवात्मा उत्पत्ति और विनाश से परे है।

जीवात्मा अपरिमेय संभावना है जिसे देह और मर्त्यलोक की आशंका तक सीमित कर हम अपने अस्तित्व को भूल रहे हैं। अपनी एक रचना स्मरण आ रही है,

संभावना क्षीण थी, आशंका घोर,
बायीं ओर से उठाकर, आशंका के सारे शून्य
धर दिये संभावना के दाहिनी ओर..,
गणना की संभावना खो गई,
संभावना अपरिमेय हो गई..!

मनुष्य अपने अस्तित्व की अपरिमेय संभावनाओं को पढ़ने लगे तो कह उठेगा,..'मैं चैतन्य रूप हूँ, आनंद हूँ, शिव हूँ, शिव हूँ,...शिवोऽहम।'

बोध कथा

भैंस के बदले मुर्गा

पाटिल ग़रीब आदमी था, पर उसकी पत्नी उसे बहुत चाहती थी। उनके पास दो भैंसें थीं। उम्र के साथ-साथ उनकी ग़रीबी भी बढ़ती गई। एक दिन पाटिल की पत्नी ने उससे कहा, एक भैंस को हाट में बेच दें तो कैसा रहे? हाथ में कुछ पैसा आ जाएगा। अगले दिन सुबह पाटिल पास के गाँव की हाट में भैंस बेचने के लिए चल पड़ा। रास्ते में उसे एक आदमी मिला जो अपना घोड़ा बेचने के लिए उसी हाट में जा रहा था। पाटिल ने उसे बताया कि वह अपनी भैंस बेचने जा रहा है। उस आदमी ने भैंस को एक नज़र देखा। बोला, इसके लिए इतनी दूर जाने की क्या ज़रूरत है? भैंस मुझे दे दो और मेरा घोड़ा ले लो। पाटिल ने सोचा, ठीक तो है! घोड़े की सार-संभाल में कम झंझट है। बच्चे सवारी भी कर सकेंगे। सो उसने घोड़े से भैंस की अदला-बदली कर ली।

घोड़े पर बैठकर वह उसे हाट की ओर ले जाने लगा तो उसे पता चला कि घोड़ा अंधा है। थोड़ा आगे उसे एक आदमी मिला जिसके पास एक गाय थी। बाबा, घोड़े को लेकर कहाँ जा रहे हो? मैं अपनी बूढ़ी भैंस को बेचने हाट जा रहा था, पर मैंने घोड़े से उसकी अदला-बदली कर ली। लेकिन यह अंधा है। मेरी गाय बहुत सीधी है। ख़ूब दूध देती है। चाहो तो यह ले लो और मुझे घोड़ा दे दो। मुझे घोड़े की ज़रूरत भी है।

पाटिल को गाय देखने-भालने में अच्छी लगी। गाय की देखभाल घोड़े से आसान है। वह अदला-बदली के लिए राज़ी हो गया। पर यह पता चलने में उसे अधिक देर नहीं लगी कि गाय एक पाँव से लंगड़ी है। थोड़ी देर बाद उसे बकरी को ले जाता एक आदमी मिला। उसने पाटिल से पूछा कि वह कहाँ जा रहा है तो उसने कहा, मैं हाट में भैंस बेचने जा रहा था। रास्ते में मैंने उसे अंधे घोड़े से बदल लिया। उस घोड़े के बदले अब मेरे पास यह लंगड़ी गाय है। मुझे इसे बेचना होगा।

बेचने की क्या ज़रूरत है? मुझे गाय चाहिए। तुम मेरी बकरी ले लो और गाय मुझे दे दो। उस आदमी ने कहा। पाटिल ने बकरी को हाँका तो उसने देखा कि वह बीमार है। वह हाट में पहुँचा तो उसने बगल में मुर्ग़ा दबाए एक आदमी को देखा। पाटिल ने उसे बकरी देकर मुर्ग़ा ले लिया। अब तक दोपहर हो गई थी। पाटिल के पेट में चूहे कूदने लगे। पर उसकी अंटी में एक भी पैसा नहीं था। सो उसने एक रुपए में मुर्ग़े को हाट में बेच दिया। उस रुपए से उसने खाना ख़रीदा और तालाब में हाथ-मुँह धोकर पीपल के नीचे खाने बैठा। उसने पहला कौर तोड़ा और उसे मुँह में डालने जा ही जा रहा था कि जाने कहाँ से लीर-लीर कपड़े पहने एक भिखारी आया और बोला, कई दिनों से मैंने एक दाना भी नहीं खाया। एक रोटी दे दो। बड़ी दया होगी। पाटिल पसीज गया। भिखारी भूखा रहे और वह ठूँस-ठूँसकर खाए यह उससे नहीं होगा। उसने खाने की पूरी पत्तल भिखारी को दे दी और घर लौट आया। उसकी पत्नी उसकी राह देख रही थी। वह घर पहुँचा तब तक पत्नी बच्चों को खिला-पिलाकर फारिग हो गई थी। उसने पति से पूछा, हो आए? भैंस कितने में बिकी? क्या बात है, तुम्हारा मुँह क्यों उतरा हुआ है?

पाटिल ने कहा, बताता हूँ, ज़रा दम तो लेने दो! पत्नी ने उसे पानी पिलाया। पानी पीकर पाटिल ने कहना शुरू किया, मैंने भैंस को बेचा नहीं। उसके बदले एक घोड़ा ले लिया। अच्छा किया। कहाँ है वह? बच्चो, देखो, तुम्हारे बापू घोड़ा लाए हैं। ठहरो! घोड़ा नहीं है। उसके बदले मैंने गाय ले ली। यह तो और भी अच्छा है। कब से मेरी गाय की साध थी। बच्चों की गाय बच्चो, बाहर जाकर देखो, तुम्हारे बापू गाय लाए हैं।

वीर गाथा

भारत मां के लिए जान भी कुर्बान, दिलवर खान ने दिया कश्मीर में बलिदान

नायक दिलवर खान का जन्म मार्च 1996 में हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले की बंगाणा तहसील के घरवासड़ा गांव में हुआ था। माता भोलन बीबी और पिता करमदीन के बेटे दिलवर को बचपन से ही भारतीय सशस्त्र बलों से बहुत लगाव था। वे सैनिक बनकर देश की सेवा करना चाहते थे।

वे अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद दिसंबर 2014 में सेना में भर्ती हुए थे। उन्हें आर्टिलरी रेजिमेंट में शामिल किया गया था। दिलवर खान को कुछ साल बाद 28 राष्ट्रीय राइफल्स में भेज दिया गया। वे जुलाई 2024 में कश्मीर घाटी के कुपवाड़ा जिले में तैनात थे। वहां आतंकवादियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा था।

नायक दिलवर खान 23 जुलाई की देर रात कुपवाड़ा जिले की लोलाब घाटी के घने जंगलों में एक अभियान का नेतृत्व कर रहे थे। उन्हें दो आतंकवादी नजर आए, जो भारी हथियारों से लैस थे।अचानक आतंकवादियों ने जवानों की ओर गोलीबारी कर दी, जिसका जोरदार जवाब दिया गया। अपने साथी जवानों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दिलवर खान भीषण गोलीबारी के बीच आगे बढ़े। उन्होंने आतंकवादियों के नजदीक जाकर उन पर धावा बोला। इस दौरान दिलवर खान गंभीर रूप से घायल हो गए, लेकिन आतंकवादियों पर दबाव बनाए रखा। उन्होंने बहुत बड़े खतरे का सामना करते हुए बिल्कुल नजदीक जाकर गोली चलाई और एक आतंकवादी को ढेर कर दिया। इसके बाद दिलवर खान शहीद हो गए।

नायक दिलवर खान ने जिस तरह अदम्य साहस और अद्वितीय वीरता का प्रदर्शन किया, उस पर देश को गर्व है। भारत मां के इस बलिदानी पुत्र को 'कीर्ति चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

दक्षिण पश्चिम रेलवे ने मनाया स्वतंत्रता दिवस

देश के योद्धाओं को किया नमन, महाप्रबंधक ने गिनाईं उपलब्धियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के महाप्रबंधक मुकुल शरण माथुर ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर यहां दपरे मुख्यालय रेल सौधा में तिरंगा फहराया। उन्होंने कहा कि दपरे ने इस क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को गति देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। महाप्रबंधक ने अपने संबोधन में कहा कि दपरे भारतीय रेलवे में सबसे सुरक्षित क्षेत्रों में से एक बना हुआ है, जहां जनवरी 2025 से शून्य परिणामी रेल दुर्घटना या एसपीएडी मामले हैं। उन्होंने कहा कि दपरे में बुनियादी ढांचे का विकास तेज़ी से हो रहा है। जनवरी 2025 तक, 53 किलोमीटर रेल लाइनें चालू हो चुकी हैं और 94 ट्रैक किलोमीटर का विद्युतीकरण किया जा चुका है। इससे विद्युतीकृत मार्ग बढ़कर 3,303 रूट किलोमीटर हो गया है, जो नेटवर्क को 89 प्रतिशत कवर करता है। परिचालन दक्षता में 89 प्रतिशत समय पाबंदी, बेंगलूरु-जोलारपेट्टई के बीच 130 किमी प्रति घंटे का स्पीड अपग्रेड और ट्रैक रिन्यूअल में 1,015 करोड़ रुपए के निवेश के साथ वृद्धि हुई है।

महाप्रबंधक ने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 53 स्टेशनों पर कार्य प्रगति पर है, जहां आधुनिक सुविधाएं, लिफ्ट, एस्केलेटर और स्मार्ट नेविगेशन गाइड उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि 102 स्टेशनों पर सीसीटीवी निगरानी के साथ सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की गई है, मादक पदार्थों के 94 मामले पकड़े गए तथा 466 से अधिक लोगों को तस्करी से बचाया गया। बुनियादी ढांचे के विकास में 53 किलोमीटर नई लाइनें, 94 किलोमीटर ट्रैक का विद्युतीकरण और 3,500 करोड़ रुपए से ज्यादा लागत की दो प्रमुख दोहरीकरण परियोजनाओं को मंजूरी शामिल है। दपरे ने खेलों में भी शानदार प्रदर्शन किया। उसने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीते। ये उपलब्धियां दपरे कार्यबल के सामूहिक प्रयासों और परिचालन उत्कृष्टता, यात्री सुविधाओं और राष्ट्र निर्माण के लिए उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

इस अवसर पर अतिरिक्त महाप्रबंधक केएस जैन, दपरे के प्रमुख विभागाध्यक्ष, मुख्यालय एवं हुब्बल्ली मंडल के वरिष्ठ अधिकारी तथा कर्मचारी मौजूद थे।

'दपरे' के बेंगलूरु मंडल ने मनाया स्वतंत्रता दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के बेंगलूरु मंडल ने यहां रेलवे ग्राउंड में उत्साह के साथ 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष कुमार सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड का निरीक्षण किया, जिसमें आरपीएफ, छात्र, स्काउट एवं गाइड और अन्य विभिन्न टुकड़ियां शामिल थीं। समारोह में स्कूली बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा।

आशुतोष कुमार सिंह ने अपने संबोधन में दपरे महाप्रबंधक का संदेश पढ़ा। उन्होंने कहा दपरे ने जनवरी से जुलाई 2025 के आखिर तक 29.55 मिलियन टन माल लदान किया, जिससे 3,056 करोड़ रुपए का राजस्व पैदा हुआ। वर्ष 2025 के पहले सात महीनों में कुल मूल राजस्व 5,468 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। दपरे ने यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए 8 नई ट्रेनें शुरू कीं, 24 ट्रेनों का विस्तार किया, 232 विशेष ट्रेनें चलाईं और कुल 1,153 कोच बढ़ाए हैं। इसके बाद 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

कार्यक्रम में अतिरिक्त मंडल प्रबंधक परीक्षित मोहनपुरिया, प्रवीण कटारकी, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त श्रेयांस चिंचवाड़े, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी उमा शर्मा, एसडब्ल्यूआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ-बेंगलूरु मंडल की अध्यक्ष रीना सिंह, अन्य वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी और उनके परिजन, दपरे महिला कल्याण संगठन के प्रतिनिधि, ट्रेड यूनियनों और अन्य एसोसिएशनों के सदस्य मौजूद थे।

राज्यपाल गहलोत ने स्वतंत्रता दिवस पर एकता, प्रगति और राष्ट्र की सेवा का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजभवन के प्रांगण में तिरंगा फहराया और महात्मा गांधी तथा डॉ. अंबेडकर की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्य सुरक्षा अधिकारी एसीपी निंगारेड्डी के नेतृत्व में पुलिस दल द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। राज्यपाल ने सबको स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए महान और समृद्ध भारत के निर्माण तथा मातृभूमि की सेवा के लिए प्रतिबद्धता के साथ संकल्प लेने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने कहा, 'यह दिन हमारे स्वतंत्रता संग्राम के महान नायकों के अदम्य साहस, बलिदान और निस्वार्थता का स्मरण कराता है। इस स्वतंत्रता दिवस पर, हम अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करने, पर्यावरण की रक्षा करने, डिजिटल और हरित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने तथा भावी पीढ़ियों के लिए एक मजबूत, समृद्ध और सुरक्षित कर्नाटक एवं भारत के निर्माण के लिए काम करने का संकल्प लें।'

राज्यपाल ने भारत की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए कृषि, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग और बुनियादी ढांचे में उल्लेखनीय उपलब्धियों का जिक्र किया। उन्होंने इस प्रगति का श्रेय लोकतांत्रिक मूल्यों, नागरिक भागीदारी और राष्ट्रीय एकता की मज़बूती को दिया।

उन्होंने संस्कृति, ज्ञान, नवाचार और 'विविधता में एकता' में कर्नाटक के योगदान की सराहना की। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में वैज्ञानिकों, किसानों, शिक्षकों, उद्यमियों, कलाकारों और युवाओं की भूमिका को स्वीकार किया। राज्यपाल ने गृह ज्योति योजना, अन्न भाग्य योजना, शक्ति योजना, गृह लक्ष्मी योजना, गृह आरोग्य, अक्षरा आविचार और युवा निधि योजना जैसी योजनाओं के साथ गरीबी उन्मूलन, महिला सशक्तीकरण, सामाजिक न्याय और आर्थिक विकास के उद्देश्य से अन्य वित्तीय सहायता कार्यक्रमों का भी उल्लेख किया।

राज्यपाल ने कर्नाटक क्वांटम मिशन के बारे में बोलते हुए, अनुसंधान एवं विकास, कौशल निर्माण, बुनियादी ढांचे के विकास और स्टार्टअप को बढ़ावा देने में इसकी भूमिका पर ज़ोर दिया, जिससे कर्नाटक 'एशिया की क्वांटम राजधानी' बन सकेगा।

उन्होंने राष्ट्रीय गौरव, एकता और देशभक्ति को मज़बूत करने के लिए 'हर घर तिरंगा' अभियान में भागीदारी के लिए भी प्रोत्साहित किया।

राज्यपाल ने युवाओं से ज्ञान, कौशल और नवाचार में आगे बढ़ने का आह्वान करते हुए भावी पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने के वास्ते पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, स्वच्छता, स्वच्छ ऊर्जा और सतत विकास की दिशा में सामूहिक भागीदारी का आग्रह किया।

केनरा बैंक ने छात्रवृत्ति पहल के जरिए शिक्षित भारत के निर्माण में योगदान दिया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। केनरा बैंक ने बेंगलूरु स्थित अपने प्रधान कार्यालय में 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। गार्ड ऑफ ऑनर के बाद बैंक के कार्यकारी निदेशकों की मौजूदगी में एमडी एवं सीईओ के सत्यनारायण राजू द्वारा तिरंगे गुब्बारे छोड़े गए। 'केनरा बैंक डॉ. अंबेडकर विद्या ज्योति छात्रवृत्ति' नामक सीएसआर कार्यक्रम के तहत बैंक ने मेधावी एससी/एसटी छात्राओं को उनकी शिक्षा के लिए कुल 1824.68 लाख रुपए की छात्रवृत्ति देकर सहयोग किया।

इस पहल का मकसद देश के युवाओं को सशक्त बनाना तथा वंचित पृष्ठभूमि की मेधावी एससी/एसटी छात्राओं को छात्रवृत्ति देना है, ताकि उन्हें शैक्षणिक उत्कृष्टता हासिल करने में मदद मिले। इस वर्ष, बैंक पूरे भारत में 26 सर्किल कार्यालयों, 177 क्षेत्रीय कार्यालयों और 9,861 से अधिक शाखाओं में छात्रवृत्ति वितरण की सुविधा देगा। इस अवसर पर केनरा बैंक के एमडी एवं सीईओ के सत्यनारायण राजू ने कहा, 'शिक्षा एक प्रगतिशील और समावेशी समाज का आधार है। इस छात्रवृत्ति के साथ, हम न केवल प्रतिभाशाली युवाओं के भविष्य में निवेश कर रहे हैं, बल्कि शिक्षित और विकसित राष्ट्र के निर्माण में भी योगदान दे रहे हैं।'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वतंत्रता दिवस

बेंगलूरु के बागलूर क्रॉस मैन रोड स्थित द्वारिकानगर लेआउट रेसीडेन्टस वेलफेयर एसोसिएशन ने देश के 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वजारोहण किया। एसोसिएशन के अध्यक्ष आर. आनंद के नेतृत्व में अनेक सदस्यों और स्थानीय निवासियों की उपस्थिति में मुख्यअतिथि द्वारा ध्वजारोहण किया गया।

रजनीकांत की फिल्म 'कुली' ने रिलीज के पहले दिन 150 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की

नयी दिल्ली/भाषा

मशहूर अभिनेता रजनीकांत की फिल्म कुली ने रिलीज के पहले दिन वैश्विक टिकट खिड़की पर 151 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर तमिल फिल्मों के लिए सबसे बड़ा रिकॉर्ड बना लिया। फिल्म के निर्देशक लोकेश कानागराज हैं। यह फिल्म बृहस्पतिवार को विश्वभर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म निर्माताओं ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर टिकट खिड़की के आंकड़े साझा किए। फिल्म के पोस्टर पर लिखा था, किसी तमिल फिल्म की रिलीज के पहले दिन की अब तक की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली फिल्म कुली ने 151 करोड़ रुपये की कमाई की हैं। अभिनेता रजनीकांत, रिकॉर्ड बनाने वाले भी हैं और रिकॉर्ड तोड़ने वाले भी हैं।

फिल्म में रजनीकांत मुख्य भूमिका में एक कुली की भूमिका निभा रहे हैं जो अपने पूर्व सहयोगियों का शोषण और उत्पीड़न करने वाले भ्रष्ट सिंडिकेट के खिलाफ खड़ा होता है। फिल्म के अन्य कलाकारों में सौबिन शाहिर, उपेंद्र, श्रुति हासन, सत्यराज, खलनायक की भूमिका में नागार्जुन और बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान विशेष उपस्थिति में नजर आ रहे हैं। कुली रजनीकांत की 171वीं फिल्म है और यह कानागराज के साथ यह उनकी पहली परियोजना है। फिल्म का निर्माण सन पिक्चर्स द्वारा किया गया है और वितरण पेन स्टूडियोज द्वारा किया जा रहा है।

विवेक रंजन अग्निहोत्री का ममता सरकार पर फूटा गुस्सा, बोले 'ये मानने को ही तैयार नहीं कि डायरेक्ट एक्शन डे को कुछ हुआ भी था'

कोलकाता/एजेन्सी

फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार को इस फिल्म के ट्रेलर के लॉन्च कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया था और इसके ट्रेलर की स्क्रीनिंग को बीच में रुकवा दिया गया। इसके बाद काफी हंगामा हुआ। फिल्म के डायरेक्टर विवेक रंजन अग्निहोत्री की पुलिस से बहस भी हुई। फिल्म मेकर विवेक अग्निहोत्री ने कहा, मैं परसों ही अमेरिका से लौट के आया। हम यहां कोलकाता में ट्रेलर को लॉन्च करना चाहते थे। 16 अगस्त इसलिए चुना क्योंकि ये डायरेक्ट एक्शन डे से जुड़ा है। एक बड़ी सिनेमा चेन के साथ हमारा कार्यक्रम सेट था, लेकिन बाद में उसे कैंसिल कर दिया गया। फिर हमने एक दूसरी सिनेमा चेन से बात की पर उन्होंने भी हाथ खड़े कर दिए। एक फिल्ममेकर के लिए इससे बुरी बात क्या होगी कि उसकी फिल्म को रोका जा रहा है। फिर हमने इसे बैंकवेट हॉल में रिलीज करने का प्लान बनाया। एक फिल्म जो बंगाल के बारे में ही है, उसे क्यों रोका जा रहा है? पता नहीं किस चीज का उन्हें डर है। क्या वो दबाना चाहते हैं, लेकिन मैं ऐसा होने

नहीं दूंगा। कैंसिल करने का क्या कारण रहा इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा, देखिए बंगालियों को दिक्कत होती तो वो लोग भर-भर के यहां क्यों आते, वंदे मातरम और जय काली मां के नारे क्यों लगाते। उन्हें फिल्म अच्छी लगी, बंगाल वर्ल्ड की कल्चरल कैपिटल थी, ये बात मैंने फिल्म में दिखाई है। यह बात देश का बच्चा-बच्चा अब जान जाएगा। लेकिन जब मैंने ये फिल्म अनाउंस की थी, तभी आपकी मुख्यमंत्री ने ये कहना शुरू कर दिया कि द बंगाल फाइल्स कोई फिल्म बन रही है ये प्रोपेगैंडा फिल्म है। उन्हें हम यहां नहीं आने देंगे। मुझे तमाम धमकियां मिली। उसके बाद मैंने उन्हें एक लीगल नोटिस भी सेंड किया था कि आप ऐसा कैसे बोल सकती हैं। बंगाल की समस्याओं के बारे में ये फिल्म है। जो चोर लोग हैं, जिनके दिल में चोर है वो ही इसे रोकने की कोशिश कर रहे हैं।

विवेक ने सवाल उठाया कि यहां पश्चिम बंगाल में सुहरावर्दी स्ट्रीट क्यों है, जिसे बुचर ऑफ बंगाल कहा जाता है। डायरेक्ट एक्शन डे पर उन्होंने अपील की कि इस स्ट्रीट का नाम बदलकर गोपाल मुखर्जी एवेन्यू रखा जाए। उन्होंने कहा, आज बंगाल की जो सरकार है, ये मानने को ही तैयार नहीं है कि डायरेक्ट एक्शन डे के दिन कुछ हुआ था। एक कम्युनिटी को खुश करने के लिए ऐसा किया जा रहा है। ये खतरनाक राजनीति है जिसका आज नहीं तो कल बंगाल को हर्जाना भुगतना ही पड़ेगा। मुझे नहीं लगता इससे ज्यादा बोल्ड फिल्म पहले कभी इंडिया में बनी है। विवेक रंजन अग्निहोत्री ने 'द बंगाल फाइल्स' को लिखा और डायरेक्ट किया है। इसमें मिथुन चक्रवर्ती, पल्लवी जोशी, अनुपम खेर और दर्शन कुमार नजर आएंगे। यह फिल्म 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

राष्ट्र निर्माण यात्रा का हिस्सा बनने पर रेपका को गर्व है : महाप्रबंधक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रेल पहिया कारखाने (रेपका) में 79वां स्वतंत्रता दिवस बहुत उत्साह के साथ मनाया गया। महाप्रबंधक चंद्रवीर रमण ने तिरंगा फहराया और समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह दिन न केवल हमारे गौरवशाली अतीत को याद करने का अवसर है, बल्कि एक मजबूत और अधिक आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के प्रति हमारी जिम्मेदारियों की पुष्टि करने का भी अवसर भी है। उन्होंने कहा कि रेपका (आरडब्ल्यूएफ) को राष्ट्र निर्माण यात्रा का हिस्सा बनने और नवाचार एवं दक्षता के माध्यम से योगदान देने पर गर्व है। आरडब्ल्यूएफ ने जुलाई में असाधारण प्रदर्शन किया, जिसमें 22,083 पहियों की ढलाई, 15,270 एक्सलों की फोर्जिंग और 11,342 एक्सलों की मशीनिंग करके पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। 11 अगस्त को एक ही दिन में रिकॉर्ड 534 व्हीलसेट भेजे गए। 31 जुलाई तक 14.51 करोड़ रुपए का स्क्रैप बेचा गया, जो रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित आनुपातिक लक्ष्य से 40 प्रतिशत ज्यादा है। उन्होंने बताया कि कई बुनियादी ढांचा परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, जिनमें कर्मचारियों के लिए अतिरिक्त पार्किंग सुविधाएं, पहियों और एक्सलों के लिए विस्तारित भंडारण क्षेत्र तथा व्हीलसेट लोडिंग बे में नया वेल्डिंग शेड शामिल है। आरडब्ल्यूएफ ने एक स्वचालित पावर फैक्टर कंट्रोलर की शुरुआत की है।

सबस्टेशन को भी उन्नत किया है। समय पर भर्ती, प्रशिक्षण कार्यक्रम और पदोन्नति ने कर्मचारियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया है।

सिंपल कपाड़िया ने राजेश खन्ना के साथ किया था पर्दे पर डेब्यू, उस दौरान हो गई थीं असहज

मुंबई/एजेन्सी

सिंपल कपाड़िया हिंदी फिल्मों की एक अभिनेत्री हैं, जिनके बारे में कम लोग जानते हैं। उन्हें उनके नाम से कम लेकिन डिंपल कपाड़िया की बहन के रूप में अधिक जाना गया, जबकि उनकी फिल्मी दुनिया में अपनी एक अलग पहचान थी। 15 अगस्त 1958 को जन्मी सिंपल कपाड़िया न सिर्फ एक बहुत बेहतरीन अभिनेत्री थीं, बल्कि कमाल की कॉस्ट्यूम डिजाइनर भी थीं। उन्होंने फिल्म 'रुदाली' के लिए बेस्ट कॉस्ट्यूम डिजाइनर का नेशनल अवॉर्ड भी जीता था। फिल्मों की बात करें तो उन्होंने 'अनुरोध', 'जमाने को दिखाना है', 'शक', 'चक्रव्यूह', 'लूटमार' जैसी फिल्मों में काम किया। उनकी डेब्यू फिल्म सुपरस्टार राजेश खन्ना के साथ थी। ये फिल्म नहीं चली, जैसी डिंपल कपाड़िया की डेब्यू मूवी बॉबी चली थी, जबकि पहली फिल्म में उन्हें राजेश खन्ना जैसे स्टार का साथ मिला जो उनके जीजा भी थे। अपनी डेब्यू फिल्म 'अनुरोध' के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा था कि उस दौरान वो राजेश खन्ना के साथ फिल्म में काम करते समय सहज नहीं थीं।

एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में कहा था, यह बिल्कुल भी 'बॉबी' जैसी फिल्म नहीं थी और उसकी तुलना भी नहीं हो सकती। जैसे मैं कभी डिंपल नहीं बन सकती। असल में राजेश खन्ना के साथ काम करते हुए मैं काफी असहज हो जाती थी क्योंकि जब आप किसी को निजी

तौर पर बहुत अच्छी तरह जानते हैं, तो कैमरे के सामने उनका अलग रूप देखना अजीब लगता है। इस फिल्म से जुड़े अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए तब सिंपल ने कहा था, शूटिंग शुरू करने से पहले मैंने सोचा था कि किसी अपने के साथ होना मेरे लिए बड़ा मोरल सपोर्ट होगा। लेकिन, असल में मैं काफी नर्वस थी, शायद इसलिए कि मैं एक बहुत अनुभवी अभिनेता के सामने एक्टिंग कर रही थी। काका (राजेश खन्ना) बहुत मददगार थे, लेकिन मुझे लगता था कि अगर मैं गलती कर दूं तो वह भी मुझे सीन के बारे में सीधा बोलने में सहज महसूस नहीं करते थे।

'अनुरोध' के न चलने के पीछे की एक बड़ी वजह थी दोनों स्टार्स के बीच पर्दे पर केमिस्ट्री की कमी। हालांकि, अपने डेब्यू में ही इतने बड़े स्टार के साथ स्क्रीन शेयर करने के बावजूद सिंपल की यह फिल्म हिट नहीं हुई, जिससे उनके करियर को झटका लगा। लेकिन उन्होंने इस अनुभव को सीखने और प्रेरणा पाने का मौका माना। सिंपल कपाड़िया अपने करियर में बहन डिंपल की तरह बड़ी सफलता तो हासिल नहीं कर पाईं, लेकिन वो एक कमाल की कॉस्ट्यूम डिजाइनर थीं। उन्होंने कई फिल्मों में बाद के दिनों में बतौर कॉस्ट्यूम डिजाइनर काम किया था। इसके लिए उन्हें नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित भी किया गया।

केंद्रीय हिंदी संस्थान के मैसूरु केंद्र में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के मैसूरु केंद्र में 79वां स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया गया। क्षेत्रीय निदेशक डॉ. रणजीत भारती ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद महात्मा गांधी एवं डॉ. अंबेडकर के चित्रों पर माल्यार्पण किया गया। क्षेत्रीय निदेशक डॉ. भारती ने सबको शुभकामनाएं दी। उन्होंने देश के शहीदों को नमन किया। उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज के महत्त्व पर चर्चा की और उसके तीनों रंगों को आत्मसात करने के लिए आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केसरिया हमें त्याग, साहस और बलिदान की प्रेरणा देता है। वहीं, सफेद रंग शांति, शुद्धता और सत्य का संदेश देता है। हरा रंग हमें धरती की उर्वरता एवं समृद्धि को बढ़ाने की

प्रेरणा देता है। नीले रंग का चक्र हमें सदैव उन्नति करने का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य हमारे अंदर देशप्रेम की भावना जगाए रखने के लिए, वीर शहीदों का स्मरण कराना है। क्षेत्रीय निदेशक ने केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के उपाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र दुबे, निदेशक प्रो. सुनील बाबूराव कुलकर्णी, केंद्र के शैक्षिक सदस्य डॉ. योगेंद्र मिश्र, प्रशासनिक कर्मी राघवेंद्र, पद्मा, चेन्नेगोड़ा, रियाना एवं सुरक्षाकर्मी ननजुंड स्वामी को धन्यवाद दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | रविवार | 17-08-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

हमारे जीवन में मिलने-जुलने, साथ रहने, बातें करने, घूमने या भोजन करने वाले हजारों लोग होते हैं, लेकिन अंत में साथ जाने वाले कितने मिलेंगे? जीवन में यह समझना जरूरी है कि हम साथ हैं, पर हमारा अस्तित्व अलग है और इस सच्चाई को ध्यान में रखकर जिएंगे तो किसी भी परिस्थिति में स्वयं को नियंत्रित कर सकेंगे।

धूमधाम से मनाया गया 79वां स्वतंत्रता दिवस

चेन्नई/दक्षिण भारत राष्ट्रमत। चेन्नई और विभिन्न शहरों की विभिन्न सामाजिक, धार्मिक व शैक्षणिक संस्थाओं ने उल्लास से मनाया स्वतंत्रता दिवस। भारत वर्ष का 79वां स्वतंत्रता दिवस पूरे देश में हर्षोल्लास व उत्साह के वातावरण में मनाया गया। बेंगलूरु में भी विभिन्न सामाजिक, धार्मिक व शैक्षणिक संस्थाओं ने अपने अपने स्तर पर स्वतंत्रता दिवस मनाया। चेन्नई शहर व आसपास के विभिन्न संस्थाओं द्वारा किए गए विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी –

चेन्नई। यहां अरुम्बाक्कम स्थित द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव महाविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर मुख्य अतिथि डॉ टी प्रवीण कुमार, निदेशक ईश्वर मेडिकल फ़ाउंडेशन थे। महाविद्यालय के प्राचार्य कैप्टन डॉ. एस. संतोष बाबू ने सभी का स्वागत किया। कॉलेज के एनसीसी ऑफिसर डॉ पी सुरेश ने एनसीसी के छात्रों के साथ मिलकर कार्यक्रम आयोजित किया। सभी क्लब के विद्यार्थी, शिक्षकगण और अन्य कर्मचारीगण इस अवसर पर उपस्थित थे। कॉलेज के सचिव डॉ अशोक कुमार मूँधड़ा ने सभी को स्वतन्त्रता दिवस की बधाई दी।

चेन्नई। यहां के अन्नानगर स्थित जयगोपाल गारोदिया विवेकानंद विद्यालय में 79 वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। वन संरक्षण अधिकारी डी. राजशेखर, भारतीय वन सेवा ने ध्वजारोहण किया। शैक्षणिक निदेशक जी. विजयकुमार, प्रधानाचार्य एम. उमा, पुस्तक बैंक समन्वयक केसवन भी इस अवसर पर उपस्थित थे। छात्रों ने मार्च पास्ट, अंग्रेज़ी भाषण, तमिल भाषण और हिंदी भाषण प्रस्तुत किए। सभी भाषाओं में देशभक्ति नृत्य और गीत प्रस्तुत किए गए।

चेन्नई। सनातन धर्म विद्यालय के प्रांगण में विद्यालय सचिव एस पी बाहेतीजी, विद्यालय प्राचार्या एस लता, मुख्य अतिथि केजीआई क्लोथिंग के अध्यक्ष शिव कुमार गोइन्का, विद्यालय के कोषाध्यक्ष सुनील डागा, विद्यालय इसीए समन्वयक गिरी बागडी, संतोष दमानी आदि की उपस्थिति में हर्षोल्लास के साथ स्वतंत्रता दिवस और जन्माष्टमी उत्सव मनाया गया। मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण किया गया तत्पश्चात कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई।

चेन्नई के नम्मालवर स्ट्रीट स्थित एसएस जैन महिला जैन विद्या संघ के तत्वावधान में मांगी कंवर अनराज चोरड़िया जैन नर्सरी एवं प्राइमरी विद्यालय, परिसर में शुक्रवार 79 वा स्वतंत्र दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में अन्ना नगर जैन संघ महिला मंडल की अध्यक्ष किरण सुराणा के राष्ट्रीय ध्वजारोहण किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संघ के सचिव –महावीर बोहरा, मुख्यअतिथि किरण सुराणा ने स्वतंत्रता दिवस पर अपने विचार रखे। विभिन्न कार्यक्रमों में विजेता छात्रों और सर्वश्रेष्ठ शिक्षक शिक्षकाओं को भी इस मौके पर सम्मानित किया गया। इस मौके पर अनेक पदाधिकारी एवं गणमान्य उपस्थित थे।

चेन्नई। यहां श्री ऑल इंडिया स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस (नई दिल्ली) एवं तमिलनाडु प्रांतीय जैन कॉन्फ्रेंस के मार्गदर्शन में, राष्ट्रीय एवं प्रांतीय युवा शाखा द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भव्य ध्वजारोहण एवं रक्तदान कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पोनप्पा स्ट्रीट, साहूकारपेट स्थित कारपोरेशन स्कूल अनाथालय में, मुख्य अतिथि सुरेशचंदजी लुणावत समन्वयक, जोन 1 द्वारा तिरंगा ध्वजारोहण से हुई। तत्पश्चात मिंट स्ट्रीट, साहूकारपेट में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। जिसका शुभारंभ राष्ट्र संत कमल मुनि म.सा. कमलेशजी के मंगल पाठ से हुआ। इस अवसर पर सैन्य कमांडर नम्रता, पार्षद राजेश रंगीला, संगीता बांठिया, संदीप मुथा, हरीश खारीवाल, महिंद्रा सिसोदिया, प्रकाश खिवसरा सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इस शिविर में 90 से अधिक यूनिट रक्त एकत्रित हुआ एवं 25 बच्चों के ब्लड ग्रुप की जांच भी की गई। जो अपने आप में एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। युवा अध्यक्ष मनीष रांका ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कोयम्बटूर। यहां आरएस पुरम् स्थित राजस्थानी संघ में शुक्रवार को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर संघ के पदाधिकारियों ने ध्वजा रोहण किया और मिठाई बांटी।

कोयम्बटूर। यहां के आरएसपुरम् स्थित श्री खरतरगच्छ संघ परिसर में शुक्रवार को 79वे स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रध्वज को फहराया गया। इस मौके पर संघ के पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारतीय जीवन बीमा निगम चेन्नई की जॉर्जटाउन में स्थित शाखा–7 के प्रबन्धक दिनेश कुमार ने झंडारोहण किया। इस अवसर पर शाखा 13 के प्रबन्धक मुन्नुस्वामी, शाखा 3 के सह प्रबंधक आनन्द व बालाजी चैयरमैन सदस्य गोविन्दस्वामी, भास्करण,अनिल कुमार जैन, आर नरेन्द्र कांकरिया, कुमार पेरुमाल स्वामी, मुरली,वेणुगोपाल सहित अनेक अभिकर्ता उपस्थित थे।

चेन्नई। यहां महावीर जैन ग्रुप ने देशका 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्ष और उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर आलथुर गांव स्थित उधवुम नानबर्गल स्कूल में समूह की अध्यक्ष डॉ. निरूमला वशंत छल्लाणी ने ध्वजारोहण किया। स्कूल की प्रिंसिपल सुप्रिया ने सभी का स्वागत किया। पदमा ने भी देश भक्ति के गीत गया और आनंद के विशेष उपस्थिति रही। समारोह में बच्चों को लड्डू और उपहार वितरित किए गए। इस कार्यक्रम के प्रायोजक मनीष कोठारी थे।

चेन्नई के साहुकारपेट स्थित बादलचंद सायरचंद चोरडिया जैन विद्यालय में शुक्रवार को स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। पत्राचारक एस.अजय कुमार चोरडिया द्वारा ध्वजारोहण हुआ। विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। सचिव ए.सुमेरचंद चोरडिया, प्रधानाध्यापिका एम मालिनी सहित अनेक गणमान्य एवं सदस्य उपस्थित थे।

चेन्नई। यहां अग्रवाल विद्यालय के अध्यक्ष मधुसूदन खेमका तथा सचिव एवं संवाददाता मुरारीलाल सोंथलिया के नेतृत्व में अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज के प्रांगण में 79 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। वरिष्ठ समिति सदस्य मनोहरलाल बगाडिया ने झंडा फहराया तथा बच्चों के परेड की सलामी ली। प्रधानाचार्य सी. विजयलक्ष्मी एवं संयुक्त संवाददाता शालिनी अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत किया। रंगारंग कार्यक्रम में गत वर्ष के सर्वश्रेष्ठ, प्रतिभावान और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कृत कर उनका उत्साह वर्धन किया गया। इस समारोह में विद्यालय के समिति सदस्य विवेक अग्रवाल, मुकेश गुप्ता, शारदा अग्रवाल , वरिष्ठ उपप्रधानाचार्य रघुदेव, उपप्रधानाचार्या माहेश्वरी मारन एवं समस्त विद्यालय स्टाफ ने तिरंगे झंडे को सलामी दी। छात्रा लब्धी के धन्यवाद ज्ञापित किया।

कोयम्बटूर। यहां के श्री वर्धमान जैन सेवा संघ (कोयंबटूर) के सदस्यों ने नगर के बोड़ीपलायम व ओराट्टूकुप्पै स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम से मनाया। ओराट्टूकुप्पै के विद्यालय में क्षेत्रीय द्रमुक पार्टी के उपाध्यक्ष कनकराज ने झंडा फहराया। सेवा संघ के संरक्षक ज्ञानचंद खारीवाल की अध्यक्षता में आयोजित समारोह का संयोजन संघ के महासचिव विक्रम छाजेड़ व संचालन खेल प्रकोष्ठ के टाइगर खारीवाल ने किया। सेवा संघ का वक्तव्य संस्थापक राजेश कुमार गादिया ने दिया। द्वितीय समारोह का आयोजन बोड़ीपालयम के राजकीय प्राथमिक विद्यालय में आयोजित किया गया। सेवा संघ के अध्यक्ष नेमीचंद लोढ़ा की अगुवाई में उपाध्यक्ष गौतम धारीवाल के संयोजन में गुमान संकलेचा,राजेश वाणीगोता के साथ ही युवा साथी हेमंत खारीवाल ने सक्रीय भागीदारी निभाई। झंडारोहण स्थानीय कविता ने किया। विद्यालय की प्राचार्य रानी सहित अध्यापकों ने संचालन करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

चेन्नई। श्री माहेश्वरी सभा ने मिंट स्ट्रीट स्थित सभा प्रांगण में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया। सभा के अध्यक्ष, तमिलनाडु, केरल एवं पांडिचेरी प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष प्रमोद मालपानी, मद्रास माहेश्वरी चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी अशोक लखोटिया, सभा के सचिव संजय मूंदड़ा, रजत के पूर्व अध्यक्ष मोहनलाल बजाज आदि ने आजादी के महत्व और देश में स्वतंत्रता के मायने बताये। इस अवसर पर सभा के उपाध्यक्ष कमल किशोर गोयदानी एवं हरिकिशन मुंधड़ा, सहसचिव जगदीश गोदानी, कोषाध्यक्ष अनुराग माहेश्वरी, माहेश्वरी फूड बैंक चेरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन जयप्रकाश मालपानी, माहेश्वरी क्लब के अध्यक्ष सुनील सारडा, माहेश्वरी सत्संग समिति के अध्यक्ष बंसीलाल दलाल, माहेश्वरी युवा मंडल के सचिव कुशल माहेश्वरी सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे। वंदे मातरम् के जयकारों के साथ सम्पन्न हुए इस समारोह में संजय मूंदड़ा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

चेन्नई। यहां तेरापंथ युवक परिषद चेन्नई के तत्वावधान में ध्वजारोहण समारोह का आयोजन तेरापंथ भवन साहूकारपेट में साध्वी श्री उदितयशाजी के सान्निध्य में हुआ। परिषद अध्यक्ष विशाल सुराणा और उनके साथ परामर्शक चंद्रेश चिप्पड़, विकास सेठिया एवं अभातेयुप के साथी संतोष सेठिया, विकास कोठारी और वरिष्ठ श्रावक समाज के सदस्य ने मिलकर ध्वजारोहण किया। इस कार्यक्रम में उपाध्यक्ष नवीन बोहरा, हरीश भंडारी, मंत्री मुकेश ए आच्छा, श्रीकांत चोरड़िया आदि गणमान्य उपस्थित थे।संयोजक श्री अशोक कोठारी रहे वहीं मंत्री मुकेश आच्छा ने आभार व्यक्त किया।

चेन्नई। यहां के एजी जैन हायर सेकन्डरी स्कूल में मुख्यअतिथि विद्यालय के पूर्व छात्र एवं मारवाड़ी युवा मंच चेन्नई मेट्रो के अध्यक्ष अनिल सिंघवी ने सपत्नीक पहुंचकर राष्ट्रध्वज फहराया। रंगारंग राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ। विद्यालय के सचिव दलजीत सिंह ढढा एवं विद्यालय के प्रबंध समिति के सदस्य गौतमचंद बोहरा, प्रसन्नचंद चोरडिया, राजेश बेताला एवं अजीत चौधरी, अध्यक्ष मारवाड़ी युवा मंच तामिलनाडु साथ ही अमित चौधरी, अभिनंदन गुलेचा, राजेश सुराणा एवं सुनील सेन आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे। प्राचार्या श्रीमती डॉ जयश्री ने देते हुए उपस्थित सभी गणमान्यों को आदर से स्वागत किया। संचालन हिंदी प्रवक्ता स्पृहा ने एवं धन्यवाद ज्ञापन वाणिज्य प्रवक्ता भारती ने किया।

चेन्नई। यहां मिंजुर स्थित चन्द्रप्रभु जैन कॉलेज में देश का 79वाँ स्वतंत्रता दिवस पूरे देशभक्ति के जोश और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत एक गंभीर प्रार्थना के साथ हुई जिसमें हमारे देश की समृद्धि के लिए आशीर्वाद मांगा गया। इसके बाद एसोसिएट एनसीसी अधिकारी (एएनओ) लेफ्टिनेंट एन. थिरुनेल्लई ने स्वागत भाषण दिया। मुख्य आकर्षण ध्वजारोहण समारोह था, जिसे प्रधानाचार्या डॉ. एन. सुजाता ने सम्मानपूर्वक प्रस्तुत किया। जैसे ही राष्ट्रीय ध्वज भव्य रूप से फहराया गया, उपस्थित लोगों ने गर्व और श्रद्धा के साथ ध्वज गीत गाया। समारोह एनसीसी कैडेटों के लिए प्रधानाचार्य ने योग्य कैडेटों को उनके रैंक से सम्मानित किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का समापन एनएसएस अधिकारी और पीबीटी के सहायक प्रोफेसर डॉ. एस. सीतारामन द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.